RAJHIN/2016/70516 Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रुबरु

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 अंक-230 जयपुर, गुरुवार, 19 फरवरी 2026 मूल्य-4 रूपये

पश्चिमी विक्षोभ के असर से बदला मौसम राजस्थान में बारिश के साथ गिरे ओले

जयपुर, सीकर, चूरू और झुंझुनूं में भी ओलों की बिछी चादर

जयपुर

जयपुरः राजस्थान में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पिछले 24 घंटों के दौरान कई जिलों में मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आया. मौसम विभाग के अनुसार बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, अजमेर और कोटा संभाग के कुछ हिस्सों में मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई.

जयपुर समेत 10 से ज्यादा जिलों में बुधवार सुबह से रुक-रुककर बरसात हो रही है। चार जिलों में ओले भी गिरे हैं। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण तापमान में भी गिरावट हुई है।

बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की चिंता भी बढ़ा दी है। चित्तौड़गढ़ के बेगूं में करंट लगने से युवक की मौत हो गई। सरसों की

तैयार फसल को सबसे ज्यादा नुकसान की आशंका है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार 20 फरवरी से मौसम में फिर बदलाव होगा।

चने के आकार के ओले गिरे, हवा में ठंडक

जयपुर, कोटा, सीकर, झुंझुनूं, चूरू, अलवर सहित 10 से ज्यादा जिलों में तेज हवा और बिजली चमकने के साथ बुधवार सुबह 4 बजे से कभी धीमी तो कभी तेज बारिश हो रही है।

कई इलाकों में चने के आकार के ओले भी गिरे हैं। हवा में ठंडक होने से दिन के तापमान में भी तीन-चार डिग्री की गिरावट हुई है। चूरू, सीकर जिले में भी सुबह ओले गिरे हैं। वहीं, कोटा, टोंक, अलवर बुधवार सुबह 20 से 25 मिनट तक तेज बरसात हुई।

मौसम बदलने के साथ फिर से सर्दी महसूस हो रही है। मौसम एक्सपर्ट के अनुसार बारिश के बाद एक-दो दिन हल्की ठंड का एहसास हो सकता है।

25 डिग्री से नीचे दिन का तापमान

नागौर, श्रीगंगानगर, पाली, हनुमानगढ़, चूरू जिलों में हल्की बारिश हुई। नागौर में बारिश के साथ कुछ जगहों पर ओले गिरे। श्रीगंगानगर में अधिकतम तापमान 5.7 डिग्री गिरकर 24.4 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज हुआ। मौसम केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया- राज्य में आज इस सिस्टम का असर सबसे ज्यादा उत्तर-पूर्वी हिस्सों में रहेगा।

आगामी दिनों तापमान में होगी गिरावट

आगामी 5-6 दिन अधिकांश भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। इस दौरान कुछ दिन तापमान में गिरावट होगी। इसके बाद फिर से तापमान में बढ़ोतरी होगी। हालांकि 19 फरवरी को पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं आंशिक बादल छाए रहेंगे। बारिश व ओलावृष्टि से फसलों में नुकसान खेतों में सरसों की कटाई चल रही है, कुछ जगहों पर फसल खेतों में पड़ी है, उनमें बारिश व ओलावृष्टि से सबसे अधिक नुकसान है। वहीं रबी की जिन अगेती फसलों की कटाई होनी है, उनमें भी नुकसान की संभावना है। राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान दुर्गापुरा के निदेशक डॉ. सुरेन्द्र सिंह मनोहर ने बताया कि चना, सरसों व जौ की जो फसल पक चुकी है, उसमें बारिश व ओलावृष्टि से नुकसान होगा, वहीं गेंहू व देरी से बुवाई की गई जौ की फसलों के लिए यह बारिश फायदेमंद साबित होगी।

सीजेआई ने पलटा इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला

नाड़ा खींचना, ब्रेस्ट पकड़ना रेप की कोशिशः सुप्रीम कोर्ट

प्रयागराज

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी लड़की के पायजामे का नाड़ा खींचना और ब्रेस्ट पकड़ना रेप की कोशिश माना जाएगा। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें इसे रेप की कोशिश की जगह रेप की तैयारी बताया गया था।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने आपराधिक कानून के स्थापित सिद्धांतों का गलत इस्तेमाल किया है।

कोर्ट ने कहा, हम हाईकोर्ट की इस बात से सहमत नहीं हैं कि आरोप केवल तैयारी तक सीमित हैं। आरोपियों की हरकत साफ तौर पर रेप की कोशिश की ओर इशारा करती है। पहली नजर में शिकायतकर्ता और अभियोजन ने रेप की कोशिश का मामला बना दिया है।

दरअसल इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 17 मार्च, 2025 को दिए आदेश में कहा था कि ये कृत्य रेप या रेप की कोशिश की केटेगरी में नहीं आते, इसके बाद 'अटेंप्ट टू रेप' का आरोप हटाने का निर्देश दिया था।

हाईकोर्ट का फैसला सामने आते ही विवाद बढ़ गया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए हाईकोर्ट के आदेश पर 25 मार्च, 2025 को रोक लगा दी थी।

2021 में बच्ची के साथ तीन युवकों ने की छेड़खानी

कासगंज की एक महिला ने 12 जनवरी, 2022 को कोर्ट में एक शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप लगाया कि 10 नवंबर, 2021 को वह अपनी 14 साल की बेटी के साथ कासगंज के पटियाली में देवरानी के घर गई थी। उसी दिन शाम को अपने घर लौट रही थी। रास्ते में गांव के रहने वाले पवन, आकाश और अशोक मिल गए।

पवन ने बेटी को अपनी बाइक पर बैठाकर घर छोड़ने की बात कही। मां ने उस पर भरोसा करते हुए बाइक पर बैठा दिया, लेकिन रास्ते में पवन और आकाश ने लड़की के प्राइवेट पार्ट को पकड़ लिया। आकाश ने उसे पुलिया के नीचे खींचने का प्रयास करते हुए उसके पायजामे की डोरी तोड़ दी।

लड़की की चीख-पुकार सुनकर ट्रैक्टर से गुजर रहे सतीश और भूरे मौके पर पहुंचे। इस पर आरोपियों ने देसी तमंचा दिखाकर दोनों को धमकाया और फरार हो गए। पीड़ित की मां की शिकायत पर आरोपी पवन और आकाश के खिलाफ IPC की धारा 376, 354, 354B और POCSO एक्ट की धारा 18 के तहत केस दर्ज किया गया। वहीं आरोपी अशोक पर IPC की धारा 504 और 506 के तहत केस दर्ज किया।

तरनतारन में आप पार्टी के सरपंच की गोली मारकर हत्या

तरनतारन/अमृतसर

तरनतारन में सत्ताधारी आम आदमी पार्टी के सरपंच हरबिंदर सिंह (45) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बुधवार (18 फरवरी) को सिद्धू फार्म में उनके चचेरे भाई की शादी थी। इसी में दोपहर करीब ढाई बजे हमलावर बराती बनकर अंदर घुसे। इस बीच जब सरपंच स्टेज पर दोस्तों के साथ डांस करने के बाद सोफे पर बैठे तो भीड़ में से एक युवक निकला और उनके पेट और सिर में 4 गोलियां मार दीं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इस दौरान जब चचेरे भाई जर्मनजीत सिंह ने हमलावरों का पीछा किया तो उन्होंने उसके पैर में गोली मार दी। जर्मनजीत को इलाज के लिए अमृतसर के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना के बाद समारोह स्थल पर अफरा-तफरी मच गई और आरोपी भाग निकले। जानकारी के मुताबिक एक आरोपी के पास एके-47 जैसा हथियार था। इस मामले में लापरवाही बरतने पर DGP गौरव यादव ने पट्टी के डीएसपी जगबीर सिंह और सरहाली थाने के SHO गुरविंदर सिंह को सस्पेंड कर दिया।

कान्हा रेस्टोरेंट समूह के 33 ठिकानों पर आयकर का छापा

आयकर चोरी की आशंका में कार्रवाई

जयपुर

राजस्थान की फेमस फूड चेन कान्हा रेस्टोरेंट पर इनकम टैक्स ने छापेमारी की है। सूत्रों के अनुसार 33 अलग-अलग ठिकानों पर आयकर विभाग की टीमों ने रेड की है। कार्रवाई सुबह 7 बजे शुरू हुई थी। दोपहर बाद तक टीमें बैंक खातों, डिजिटल डॉक्यूमेंट्स की जांच में जुटी हुई हैं।

कार्रवाई के दौरान टीमों द्वारा बैंक खातों, डिजिटल रिकॉर्ड, नकदी

लेन-देन, संपत्तियों के दस्तावेज की गहन जांच की जा रही है। अधिकारियों ने कई अहम फाइल और इलेक्ट्रॉनिक डेटा भी जब्त किया है। सबसे ज्यादा जयपुर में 26 ठिकानों पर टीमें जांच में जुटी हैं। श्रीगंगानगर, करौली, कोटा, हिंडौन के अलावा मुंबई में भी रेस्टोरेंट के ऑफिस व अन्य ठिकानों पर सर्च की जा रही है। वहीं उदयपुर में सिएरा होटल और सन एंड मून रेस्टोरेंट पर आईटी विभाग ने रेड की है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार रेस्टॉरेंट कारोबार से जुड़े बड़े स्तर पर आयकर चोरी और वित्तीय अनियमितताओं की आशंका के चलते यह कार्रवाई की गई है। जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक आंकड़े और कर चोरी की राशि सामने आ सकेगी।

उदयपुर में जगदीश मंदिर के पीछे सन एंड मून रेस्टोरेंट और हरिदास जी मगरी स्थित द सिएरा सॉल रेस्टोरेंट पर आयकर विभाग ने छापा मारा। विभाग की टीमें सुबह यहां पहुंची और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। बताया जा रहा है कि होटल और रेस्टोरेंट के एक ही मालिक हैं। आयकर विभाग के अफसर यहां से विभिन्न खातों की डिटेल, जरूरी दस्तावेज सहित अन्य जानकारी जुटा रहे हैं। सिएरा होटल में 29 कमरे हैं।

दुकान के बाहर खड़े युवक की हत्या, दोस्तों ने घेरकर पीछे से चाकू मारा

कोटा। कोटा के महावीर नगर थाना क्षेत्र में आपसी रंजिश के चलते एक युवक की हत्या कर दी गई। घटना के अनुसार, युवक अपने घर के पास ही दुकान के बाहर खड़ा था, तभी मोहल्ले के कुछ दोस्तों ने पीछे से चाकू से हमला कर दिया। वारदात के बाद के आरोपी मौके से फरार हो गए।

घायल युवक को न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान विक्रम सिंह (27) के रूप में हुई है। जो निवासी बॉम्बे योजना के रूप में हुई है। फिलहाल झगड़े के स्पष्ट कारण सामने नहीं आए।

विक्रम सिंह (27) के बड़े भाई लक्की ने बताया- घटना रात सवा नौ बजे के आसपास की है। मेरा छोटा भाई विक्रम घर के पास स्थित दुकान पर खड़ा था। उसी समय मोहल्ले में रहने वाले आशु, अकरम, राजकुमार, गोलू व अन्य ने मिलकर विक्रम पर चाकू से हमला कर दिया।

विक्रम को चाकू के तीन-चार जगह घाव लगे। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। हमलावर विक्रम के दोस्त थे।

मेवाड़ यूनिवर्सिटी के चेयरमैन, रजिस्ट्रार समेत 7 पर मामला दर्ज

स्टूडेंट्स बोले- अखबारों में फर्जी विज्ञापन देकर मान्यता के झूठे दावे किए थे

चित्तौड़गढ़

राजस्थान की मेवाड़ यूनिवर्सिटी(चित्तौड़गढ़) के चेयरमैन, प्रोफेसर, रजिस्ट्रार और हेड ऑफ द डिपार्टमेंट समेत 7 जिम्मेदार लोगों के खिलाफ स्टूडेंट्स ने मामला दर्ज करवाया है। स्टूडेंट्स ने गंगरार थाने में रिपोर्ट सौंपी है। स्टूडेंट्स का आरोप है कि क्रस्र. नर्सिंग और जीएनएम कोर्स में एडमिशन दिलाने के नाम पर उनसे मोटी रकम ली गई। जबकि इन कोर्स को राजस्थान नर्सिंग काउंसिल

और इंडियन नर्सिंग काउंसिल से कोई मान्यता प्राप्त नहीं थी।

स्टूडेंट्स का कहना है कि यूनिवर्सिटी की ओर से अखबारों में भी विज्ञापन दिए गए थे और इन कोर्स को मान्यता प्राप्त बताया गया था, लेकिन असलियत में यह पूरा दावा झूठा था। इस बीच यूनिवर्सिटी में क्रस्र. नर्सिंग और जीएनएम कोर्स की मान्यता को लेकर छात्र कई दिनों से विरोध कर रहे हैं। मंगलवार को मैस बंद करने के बाद छात्रों के दो गुटों के बीच झगड़ा हो गया। यह बुधवार को भी जारी रहा। स्थिति बिगड़ने पर यूनिवर्सिटी प्रशासन ने छुट्टी घोषित कर दी और स्टूडेंट्स को उनके घर भेज दिया। एडिशनल एसपी सरिता सिंह का कहना है- फिलहाल स्थिति शांत है। एहतियात के तौर पर यूनिवर्सिटी प्रशासन ने अवकाश घोषित कर दिया है और अधिकांश स्टूडेंट्स अपने घर लौट रहे हैं। जिन स्टूडेंट्स ने रिपोर्ट दी है, उनके आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भीलवाड़ा निवासी पायल पाटिल और जम्मू-कश्मीर निवासी अजहर सादिक सहित कई छात्रों ने यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष अशोक कुमार गदिया, वाइस चांसलर आलोक मिश्रा, रजिस्ट्रार सीडी कुमावत, हेड ऑफ द डिपार्टमेंट महावीर वैरागी, प्रोफेसर महावीर स्वर्णकार, हेड ऑफ द डिपार्टमेंट शोएब खान समेत अन्य जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ गंगरार थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

जल जीवन मिशन घोटाला

रिश्वत के आरोपी अफसर 3 दिन के रिमांड पर

जयपुर। 900 करोड़ के जल जीवन मिशन घोटाला मामले में गिरफ्तार 9 अफसरों को ACB कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने सभी 9 आरोपियों को 3 दिन के रिमांड पर भेजा है। अब ACB घोटाले से जुड़े अन्य तथ्यों, दस्तावेजों और संभावित संलिप्त लोगों के बारे में पूछताछ करेगी। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम सभी आरोपियों को एक ही गाड़ी में कोर्ट लेकर पहुंची थी। अधिकारियों के हाथों में लाल कपड़े में इस घोटाले से जुड़ी फाइलें थी। ACB ने आरोपी अफसरों को विशिष्ट न्यायालय भ्रष्टाचार अधिनियम क्रम स. - 1 में आरोपियों को पेश किया।

ममता सरकार बोली- इडी केंद्र का हथियार, हमें बंगाल में धमकाया

सुप्रीम कोर्ट बोला– हम तय करेंगे कौन हथियार और किसे धमकाया गया

नई दिल्ली/कोलकाता

पश्चिम बंगाल में I-PAC से जुड़े रेड मामले में बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान ममता सरकार ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार प्रवर्तन निदेशालय का उन राज्यों में हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है, जहां विपक्ष की सरकार है। वहीं केंद्रीय एजेंसी ने पलटवार करते हुए कहा कि हम किसी के हथियार नहीं हैं।

बंगाल में ममता सरकार ने हमें धमकाया। दोनों पक्षों के बीच बहस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसका हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है और किसे धमकाया जा रहा है, यह हम तय करेंगे।

ईडी ने I-PAC रेड मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) से कराने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की थी। ED का आरोप है कि 8 जनवरी को I-PAC के ऑफिसों पर रेड के दौरान सीएम ममता बनर्जी और बंगाल पुलिस के अधिकारियों ने उनकी कार्रवाई में रुकावट डाली। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवारई 18 मार्च तक टाल दी है। इससे पहले 3 फरवरी को सुनवाई टाली गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 15 जनवरी को कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री का ईडी की जांच में बाधा डालना बहुत गंभीर मुद्दा है।

I-PAC यानी इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी एक पॉलिटिकल कंसल्टेंसी कंपनी है। यह राजनीतिक दलों के लिए बड़े स्तर पर चुनावी अभियानों का काम करती है। कंपनी और उसके डायरेक्टर प्रतीक जैन पर करोड़ों रुपए के कोयला चोरी घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। CBI ने इस मामले में 27 नवंबर 2020 को FIR दर्ज की थी।

राज्यसभा की 37 सीटों पर 16 मार्च को चुनाव, इनमें 12 एनडीए और 25 विपक्ष की

पवार, सिंघवी का कार्यकाल अप्रैल में खत्म हो रहा

नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने बुधवार को 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों पर चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया। 37 सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव कराया जाएगा। जो सीटें खाली हो रही हैं उनमें 12 एनडीए के पास हैं, 25 पर विपक्ष का कब्जा है।

सबसे ज्यादा महाराष्ट्र की 7, तमिलनाडु की 6 और पश्चिम बंगाल-बिहार की 5-5 सीटों पर चुनाव कराया जाएगा। शरद पवार, रामदास अठावले, कणिमोझी, तिरुचि शिवा, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश का कार्यकाल 2 अप्रैल को समाप्त हो रहा है।

16 मार्च को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे के बीच वोटिंग होगी और उसी दिन शाम 5 बजे वोटों की गिनती की जाएगी।

राज्यसभा सांसदों के लिए चुनाव की प्रक्रिया दूसरे चुनावों से काफी अलग है। राज्यसभा के सदस्य अप्रत्यक्ष रूप से चुने जाते हैं यानी जनता नहीं बल्कि विधायक इन्हें चुनते हैं। चुनाव हर दो साल में होते हैं, क्योंकि राज्यसभा एक स्थायी सदन है और इसके एक-तिहाई सदस्य हर दो साल में रिटायर होते हैं।

राज्यसभा सीटों की कुल संख्या 245 हैं। इनमें से 233 सीटों पर अप्रत्यक्ष रूप से चुनाव होते हैं और 12 सदस्यों को राष्ट्रपति मनोनीत करते हैं।

बेकाबू होकर पलटी स्कॉर्पियो, 2 की मौत, 3 घायल

गाड़ी जलकर हुई खाक

शाहपुरा (भीलवाड़ा)

टोंक से भीलवाड़ा में मायरा भरने जा रहे लोगों की स्कॉर्पियो बेकाबू होकर पलट गई और फिर खाई में गिर गई। कार में बैठे लोग अंदर फंस गए। जेसीबी से कार के गेट तोड़कर बाहर लोगों को निकाला, लेकिन तब तक 2 लोगों की मौत हो गई। 3 घायलों को शाहपुरा अस्पताल पहुंचाया गया। सभी लोगों को बाहर निकालने के बाद स्कॉर्पियो में आग लग गई और कुछ ही मिनटों में जलकर खाक हो गई। फुलिया कला थाना इलाके में राज्यास के पास हाईवे पर आई भैंसों को बचाने के चक्कर में हादसा हुआ। शाहपुरा थाने के एसआई बालकिशन शर्मा

ने बताया- शाहपुरा क्षेत्र से निकल रहे नेशनल हाईवे-148 डी पर राज्यास के पास बुधवार शाम करीब 5:30 बजे हाईवे पर 3 भैंसों को बचाने की कोशिश में स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पलट गई और खाई में गिर गई।

हादसे के बाद आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे और कार सवार लोगों को बाहर निकालने का प्रयास करने लगे, लेकिन उनको बाहर नहीं निकाला जा सका। इसके बाद पास के खेत में खड़ी जेसीबी मंगाकर कार के गेट तोड़े और अंदर फंसे लोगों को निकाला।

सिर में चोट लगने से 2 की मौके पर ही मौत

एसआई ने बताया- सिर में चोट लगने के कारण 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 3 लोग घायल हो गए। सभी को बाहर निकालते ही स्कॉर्पियो ने आग पकड़ ली और कुछ ही मिनट में आग का गोला बन गई।

सूचना के बाद फुलिया कला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और 108 एंबुलेंस से सभी को शाहपुरा जिला अस्पताल लाया गया। 3 घायलों की स्थिति गंभीर होने पर उन्हें भीलवाड़ा रेफर कर दिया, जबकि दोनों शवों को शाहपुरा अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है।

जानकारी के अनुसार, स्कॉर्पियो सवार सभी लोग मालपुरा तहसील के आमली गांव के रहने वाले हैं। इनमें कजोड़ सिंह (45) पुत्र कालू सिंह और अजय सिंह (42) पुत्र कजोड़ सिंह की मौके पर ही मौत हो गई।

अजमेर-दरगाह में शिवमंदिर दावे की सुनवाई पर रोक से इनकार

अजमेर

अजमेर दरगाह से जुड़े मामले में रोक लगाने की मांग को लेकर दायर हस्ताक्षर याचिका पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान माननीय मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ता इस मामले में पक्षकार नहीं है, इसलिए उसकी इंटरवेंशन एप्लीकेशन मेंटेनेबल नहीं है और उसे पार्टी भी नहीं बनाया जा सकता। अदालत ने याचिकाकर्ता को आवेदन वापस लेने का विकल्प दिया, जिसके बाद याचिकाकर्ता ने अपनी एप्लीकेशन वापस ले ली। वर्शिप एक्ट के दायरे पर स्पष्टीकरण सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यह मामला प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट के दायरे में नहीं आता। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि जिला अदालत में इस केस की सुनवाई जारी रहेगी। संबंधित हस्ताक्षर याचिका कर्नाटक के एक मुस्लिम समुदाय के व्यक्ति द्वारा दायर की गई थी। हिंदू सेना की प्रतिक्रिया इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए हिंदू सेना के राष्टीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने कहा कि अजमेर दरगाह से जुड़े मामले में सत्य सामने आने से रोकने के प्रयास किए जा रहे हैं। उनका कहना था कि न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिशें की जा रही हैं, लेकिन सत्य को दबाया नहीं जा सकता। विष्णु गुप्ता ने यह भी कहा कि अजमेर दरगाह भगवान शिव का मंदिर है और इस ऐतिहासिक तथ्य को सामने आने से रोकने के लिए विभिन्न स्तरों पर बाधाएं उत्पन्न की जा रही हैं।

बीजेपी के राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि केस को कर्नाटक हाईकोर्ट ने किया रद्द

-कांग्रेस पार्टी ने बीजेपी सरकार पर 40 फीसदी कमीशन का लगाया था आरोप

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने राहुल गांधी को राहत देते हुए बीजेपी की राज्य इकाई द्वारा दायर मानहानि की शिकायत को रद्द कर दिया है। जस्टिस एस सुनील दत्त यादव की एकल पीठ ने राहुल गांधी की याचिका पर यह फैसला सुनाया, जिसमें उन्होंने निचली अदालत द्वारा जारी समन और पूरी कार्यवाही को चुनौती दी थी। यह विवाद 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों के दौरान शुरू हुआ था। कांग्रेस पार्टी ने राज्य की तत्कालीन बीजेपी सरकार पर 40फीसदी कमीशन का आरोप लगाते हुए प्रमुख अखबारों में करप्शन रेट कार्ड विज्ञापन प्रकाशित किए थे। बीजेपी ने इसे मानहानि बताते हुए राहुल गांधी, सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम शिवकुमार के खिलाफ केस दर्ज कराया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने फैसले सुनाते हुए साफ किया कि राहुल गांधी के खिलाफ इस मामले में कार्यवाही को जारी रखना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा। राहुल गांधी के वकीलों ने दलील दी थी कि विज्ञापन पार्टी द्वारा जारी किया गया था और राहुल गांधी का इसे सोशल मीडिया पर साझा करना मानहानि की श्रेणी में नहीं आता, क्योंकि वे उस समय किसी आधिकारिक पार्टी पद पर नहीं थे और न ही इसमें उनकी सीधी भूमिका थी। इससे पहले निचली अदालत ने उन्हें पेशी से स्थायी छूट दी थी, लेकिन अब हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद यह मामला पूरी तरह खत्म हो गया है।

सलीम खान की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल पहुंचे सलमान, फैंस हुए चिंतित

मुंबई (एजेंसी)। सुपरस्टार और बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान के पिता हिंदी सिनेमा के दिग्गज लेखक सलीम खान की अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पिता की हालत की सूचना मिलते ही सलमान आनन-फानन अस्पताल पहुंचे। सलीम खान के अस्पताल में भर्ती होने की खबर फैलते ही फैंस सोशल मीडिया पर उनकी सेहत को लेकर चिंता जाहिर कर रहे हैं और जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। फिलहाल परिवार की ओर से साफ नहीं किया गया है कि उन्हें किस वजह से अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिता की तबीयत बिगड़ने के बीच सलमान खान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वे कार से उतरकर तेजी से अस्पताल के अंदर जाते दिख रहे हैं। वीडियो में उनके चेहरे पर चिंता और मायूसी साफ नजर आती है। बता दें 90 साल के सलीम खान को हिंदी सिनेमा के इतिहास के सबसे प्रभावशाली लेखकों में गिना जाता है। 1970 के दशक में जावेद अख्तर के साथ उनकी जोड़ी सलीम-जावेद ने इंडस्ट्री को कई यादगार और ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं। इस जोड़ी ने दीवार, जंजीर और डॉन जैसी फिल्मों के जरिए बॉलीवुड के 'एंग्री यंग मैन' दौर को नई पहचान दी और अमिताभ बच्चन को सुपरस्टार बनाया। अभी तक सलीम खान की सेहत को लेकर परिवार की तरफ से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। फैंस और इंडस्ट्री उनके जल्द स्वस्थ होने की दुआ कर रहे हैं।

जम्मू-जुवेनाइल सेंटर से 2 पाकिस्तानी सहित 3 नाबालिग फरार: मामले में 6 अधिकारी सस्पेंड

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू के आरएस पुरा सेक्टर में जुवेनाइल ऑब्जर्वेशन सेंटर से 2 पाकिस्तानी नागरिक सहित 3 नाबालिग फरार हुए। इसी मामले में मंगलवार को 6 पुलिसकर्मी सस्पेंड किए गए। नाबालिगों के सेंटर से फरार होने की घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड हुई थी। 22 सेकेंड के वीडियो में दिख रहा हैं कि शाम करीब 5.15 बजे दो नाबालिग झगड़ा कर रहे हैं। तभी सेंटर के दो कर्मचारी पास ही खड़े उन्हें समझाने की कोशिश कर रहे हैं। तभी कैप पहना हुआ नाबालिग पीछे से आकर कर्मचारी के सिर पर फायर कर देता है। फायर होते ही दोनों कर्मचारी पीछे हटते हैं। इसमें नाबालिग फिर से गन लोड कर दूसरा फायर करने की कोशिश करता है, लेकिन फायर नहीं होता। इसके बाद तीन नाबालिग सेंटर से भाग निकलते हैं। वहीं, जुवेनाइल सेंटर से फरार नाबालिग में एक की मां भी लापता हैं। पुलिस के मुताबिक महिला की तलाश की जा रही है। नाबालिग की फायरिंग में एसओपी विनय कुमार और हेड कांस्टेबल पर्वीन कुमार को घायल हुए हैं। उनका इलाज जारी है। नाबालिग के पास पिस्टल कैसे पहुंची, फिलहाल इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस ने बताया कि जांच शुरू कर दी गई है। फरार कैदियों को पकड़ने के लिए विशेष टीमों का गठन किया है। टीम की अलग-अलग जगहों पर छापेमारी जारी है। जुवेनाइल ऑब्जर्वेशन सेंटर की सुरक्षा को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। पुलिस ने आसपास के इलाकों में चौकसी बढ़ा दी है। नागरिकों से जानकारी देने का अनुरोध किया है।

बिश्नोई गैंग के गुर्गे शुभम लोनकर व उसके भाई ने रची रोहित शेट्टी के घर हमले की साजिश

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड निर्देशक रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने सनसनीखेज खुलासा किया है। यह हमला लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े महाराष्ट्र प्रमुख शुभम लोनकर और उसके भाई प्रवीण लोनकर ने करवाया था। घटना 1 फरवरी 2026 की रात हुई, जब अज्ञात हमलावरों ने रोहित शेट्टी के घर के बाहर 4-5 राउंड फायरिंग की थी। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गुर्गे शुभम लोनकर ने सोशल मीडिया पर हमले की जिम्मेदारी ली और निर्देशक को धमकी भी दी। पुलिस जांच में पता चला कि प्रवीण लोनकर, जो बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में जेल में बंद है। इसके बावजूद उसने जेल से ही इस साजिश को अंजाम दिया। उसने हथियार, बाइक और आर्थिक मदद मुहैया कराई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक क्राइम ब्रांच को शक है कि प्रवीण लोनकर ने जेल में रहते हुए ही इस पूरे अपराध की साजिश रची, जिसमें मुख्य शूटर को निर्देश दिए गए। हमले से पहले कई दिनों तक रेकी की गई, स्कूटी पुणे से 30 हजार रुपए में खरीदी गई और मुंबई लाई गई। मुख्य आरोपी शुभम लोनकर ने पैसे और हथियार सप्लाई किए, जबकि प्रवीण ने तीन हथियार उपलब्ध कराए। आरोपियों ने सिग्नल या टेलीग्राम जैसे एन्क्रिप्टेड ऐप्स से संवाद किया और बाद में डिलीट कर दिए।

चुनावी राज्यों में कांग्रेस की आतंरिक कलह बढ़ा रही मुसीबत, बगावती सुरों ने बढ़ाई नेतृत्व की टेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस पार्टी के भीतर गहराती गुटबाजी और नेतृत्व पर उठते सवालों ने संगठन के सामने गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। केरल, असम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्यों में पार्टी के भीतर असंतोष के सुर मुखर हो रहे हैं। वरिष्ठ नेताओं की बयानबाजी और गठबंधन सहयोगियों के साथ बढ़ते तनाव ने पार्टी आलाकमान की रातों की नींद उड़ा दी है।

केरल में वरिष्ठ कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के हालिया बयान ने पार्टी को असहज कर दिया है। अय्यर ने भविष्यवाणी की है कि मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाली एलडीएफ सरकार लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी करेगी। हालांकि पार्टी ने उनके इस बयान से पल्ला झाड़ लिया है, लेकिन अय्यर अपने स्टैंड पर कायम हैं। उन्होंने तर्क दिया कि एक कांग्रेसी के रूप में वह यूडीएफ की जीत चाहते हैं, लेकिन एक गांधीवादी होने के नाते वह सच बोलने के लिए बाध्य हैं। केरल की राजनीति में हर पांच साल में सत्ता परिवर्तन की परंपरा रही है, जिसे 2021 में विजयन ने तोड़ दिया था। अब अय्यर की इस टिप्पणी ने कांग्रेस की सत्ता में वापसी की उम्मीदों को करारा झटका दिया है।

उधर असम में भी स्थिति सामान्य नहीं है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा के इस्तीफे ने पार्टी के भीतर मचे घमासान को सार्वजनिक कर दिया। बोरा का आरोप था कि केंद्रीय नेतृत्व उन्हें नजरअंदाज कर रहा है और राज्य इकाई में उन्हें उचित सम्मान नहीं मिल रहा है। बेहाली प्रकरण और माजुली यात्रा जैसे निर्णयों पर असंतोष जताते हुए उन्होंने मल्लिकार्जुन खरगे को अपना त्यागपत्र भेजा था। हालांकि, राहुल गांधी के हस्तक्षेप के बाद उन्होंने इस्तीफा वापस ले लिया है, लेकिन पार्टी के भीतर मुस्लिम नेताओं की उपेक्षा और आंतरिक मतभेद अभी भी बरकरार हैं। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस घटनाक्रम को कांग्रेस का गहराता संकट बताते हुए कटाक्ष किया है।

तमिलनाडु में कांग्रेस की सबसे बड़ी चुनौती सत्ताधारी डीएमके के साथ गठबंधन को बचाए रखना है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने स्पष्ट कर दिया है कि चुनाव के बाद कोई सत्ता साझेदारी नहीं होगी। कांग्रेस द्वारा अधिक सीटों और सरकार में हिस्सेदारी की मांग को स्टालिन ने षड्यंत्र करार दिया है। मणिक्कम टैगोर जैसे नेताओं की चेतावनी और अभिनेता विजय की नई पार्टी के उभार ने राज्य के समीकरणों को और जटिल बना दिया है। राहुल गांधी के लिए यह गठबंधन टूटने का खतरा सबसे बड़ा सिरदर्द बन गया है, क्योंकि तमिलनाडु में डीएमके के बिना कांग्रेस की स्थिति बेहद कमजोर हो सकती है। पश्चिम बंगाल में तो इंडिया गठबंधन के दो प्रमुख घटक, तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस, पूरी तरह आमने-सामने हैं। ममता बनर्जी ने 2026 के विधानसभा चुनाव में एकला चलो की राह अपनाते हुए अकेले लड़ने का ऐलान किया है, जिसके जवाब में कांग्रेस ने भी राज्य की सभी 294 सीटों पर उम्मीदवार उतारने का फैसला लिया है। राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन की बात करने वाले दल राज्य स्तर पर एक-दूसरे के धुर विरोधी नजर आ रहे हैं। इन तमाम परिस्थितियों के बीच भाजपा ने तंज कसते हुए कहा है कि जब पार्टी के अपने ही नेता नेतृत्व पर भरोसा नहीं कर रहे, तो जनता उन पर विश्वास कैसे करेगी।

अमेरिकी प्रतिबंधों के घेरे में आए तीन ईरानी तेल टैंकरों को भारत ने किया जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने समुद्री क्षेत्र की सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुपालन को लेकर भारत पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आ रहा है। ताजा घटनाक्रम में भारतीय अधिकारियों ने ईरान से जुड़े उन तीन तेल टैंकरों को जब्त किया है, जिन पर अमेरिका द्वारा प्रतिबंध लगाया गया था। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब टैरिफ विवादों के कारण तनावपूर्ण रहे भारत और अमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के संकेत मिल रहे हैं और अमेरिका ने हाल ही में भारत पर लगाए गए टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, पकड़े गए इन टैंकरों की पहचान स्टैलर रूबी, एस्फाल्ट स्टार और अल जाफजिया के रूप में हुई है। जांच में सामने आया है कि इन जहाजों ने तटीय राज्यों के कानूनों से बचने और अपनी पहचान छिपाने के लिए बार-बार अपने नाम और विवरण बदले थे। भारतीय नौसेना और तट रक्षक बल का मुख्य उद्देश्य शिप-टू-शिप यानी एक जहाज से दूसरे जहाज में तेल के अवैध हस्तांतरण को रोकना है। अक्सर तेल के मूल स्रोत को छिपाने और प्रतिबंधों से बचने के लिए अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में इस तरह की गतिविधियों को अंजाम दिया जाता है। भारतीय अधिकारियों की इस मुस्तैदी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि समुद्री सीमाओं की कड़ी निगरानी के लिए करीब 55 युद्धपोत और 10 से 12 टोही विमान तैनात किए गए हैं। आंकड़ों के मुताबिक, इन तीनों में से दो टैंकर सीधे तौर पर ईरान से जुड़े हैं। स्टैलर रूबी पर ईरान का झंडा लगा है, जबकि अल जाफजिया ने साल 2025 में ईरान से जिबूती तक तेल का परिवहन किया था। वहीं, एस्फाल्ट स्टार लंबे समय से चीन के समुद्री क्षेत्र के आसपास सक्रिय था। दिलचस्प बात यह है कि पिछले साल अमेरिकी विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय ने ग्लोबल पीस, चिल 1 और ग्लोरी स्टार 1 नामक जहाजों पर प्रतिबंध लगाया था, जिनके आईएमओ नंबर भारत द्वारा पकड़े गए इन जहाजों से मेल खाते हैं।

नवनीत राणा का बड़ा बयान: देश में बाबरी बनाने वालों को कब्र के लिए भी जगह नहीं मिलेगी

छतरपुर (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी की नेता और पूर्व सांसद नवनीत राणा ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में कथित तौर पर बाबरी मस्जिद की तर्ज पर ढांचा तैयार करने की योजना को लेकर बेहद सख्त रुख अपनाया है। मध्य प्रदेश के बागेश्वर धाम में पंडित धीरेंद्र शास्त्री से मुलाकात के बाद उन्होंने एक विवादित और आक्रामक बयान जारी किया। नवनीत राणा ने हुमायूं कबीर की योजनाओं पर प्रहार करते हुए सीधे शब्दों में कहा कि हिंदुस्तान में बाबरी बनाने की सोच रखने वालों को कब्र के लिए भी जगह नसीब नहीं होगी।

अपने संबोधन के दौरान उन्होंने धार्मिक और प्रतीकात्मक हथियारों का जिक्र करते हुए खुद को महाराष्ट्र की बेटी बताया। उन्होंने कहा कि वह मैदान में माला और तलवार, दोनों के साथ खड़ी हैं। संतों की शिक्षाओं का हवाला देते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि आज के समय में हाथों में सिर्फ माला होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि माला के साथ-साथ भाला होना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह जरूरत पड़ने पर तलवार लेकर मैदान में उतरने से पीछे नहीं हटेंगी। मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद जैसी संरचना बनाने के प्लान के विरोध में बोलते हुए नवनीत राणा ने चेतावनी दी कि जो लोग देश के भीतर फिर से बाबरी जैसी विभाजनकारी सोच को बढ़ावा दे रहे हैं, उन्हें इसके गंभीर अंजाम भुगतने होंगे। उन्होंने दावा किया कि ऐसे तत्वों के लिए भारत की धरती पर कोई स्थान शेष नहीं बचेगा। नवनीत राणा का यह बयान उस समय आया है जब मुर्शिदाबाद की घटना को लेकर राजनीतिक गलियारों में पहले से ही तनाव की स्थिति बनी हुई है। उनके इस आक्रामक रुख और माला के साथ भाला वाले बयान ने इस बहस को और तेज कर दिया है। फिलहाल उनके इस बयान पर विभिन्न राजनीतिक दलों की प्रतिक्रियाओं का इंतजार है, लेकिन उन्होंने अपने इरादे साफ कर दिए हैं कि वह इस मुद्दे पर किसी भी तरह के समझौते के मूड में नहीं हैं।

हिमाचल विधानसभा में हंगामा, राज्यपाल ने 2 मिनट में खत्म किया अभिभाषण

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र का आगाज़ एक ऐसी असाधारण घटना के साथ हुआ जिसने राज्य के संसदीय इतिहास में नया विवाद खड़ा कर दिया है। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार के बीच रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट (आरडीजी) और केंद्र सरकार की नीतियों को लेकर मतभेद सदन के भीतर खुलकर सामने आ गए। राज्यपाल ने दुर्लभ कदम उठाते हुए अपना अभिभाषण महज 2 मिनट 1 सेकंड में समाप्त कर दिया और सदन के पटल पर सरकार द्वारा तैयार किए गए दस्तावेज़ के महत्वपूर्ण हिस्सों को पढ़ने से इनकार कर दिया।

जानकारी के अनुसार, विवाद की जड़ सरकार द्वारा तैयार अभिभाषण के वे अंश थे जिनमें केंद्र सरकार और कुछ संवैधानिक संस्थाओं के कामकाज की तीखी आलोचना की गई थी। राज्यपाल ने स्पष्ट किया कि दस्तावेज़ के पृष्ठ 1 से 16 तक की सामग्री संस्थागत ढांचे के प्रतिकूल है और वे संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली टिप्पणियां नहीं पढ़ सकते। इसके चलते उन्होंने केवल शुरुआती दो पैराग्राफ और अंतिम हिस्सा पढ़ा, जबकि वित्तीय स्थिति और केंद्र से मिलने वाली सहायता से जुड़े पैरा 3 से 16 को छोड़ दिया। सदन से बाहर निकलते समय उन्होंने विधायकों से शेष पाठ स्वयं पढ़ने को कहा, जिससे विपक्षी खेमे और सत्ता पक्ष के बीच हलचल तेज हो गई। इस पूरे टकराव के केंद्र में रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट (आरडीजी) है। संविधान के अनुच्छेद 275(1) के तहत यह अनुदान उन राज्यों को दिया जाता है जिनकी आय और अनिवार्य खर्चों के बीच बड़ा अंतर होता है। हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्य के लिए यह राशि वित्तीय रीढ़ की हड्डी के समान है। विवाद तब गहराया जब 16वें वित्त आयोग ने वित्त वर्ष 2026-27 से इस अनुदान को बंद करने का निर्णय लिया, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने इस घटनाक्रम पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आरडीजी राज्य का अधिकार है और वह इसके लिए लड़ते रहेंगे। मुख्यमंत्री ने साफ किया कि यह किसी पार्टी का नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के हक का मामला है। राज्य पर वर्तमान में संशोधित वेतन एरियर के करीब 8,500 करोड़ रुपये और महंगाई भत्ते के 5,000 करोड़ रुपये का भारी बोझ है। यदि आरडीजी बंद होती है, तो कर्मचारियों के वेतन और भत्तों के भुगतान पर अनिश्चितकालीन संकट आ सकता है। राज्यपाल और सरकार के बीच हुआ यह तीखा टकराव संकेत दे रहा है कि आगामी बजट सत्र के दौरान राजभवन और सचिवालय के बीच का यह सियासी शीतयुद्ध विधानसभा की चर्चाओं को और अधिक आक्रामक बनाएगा।

असम सीएम सरमा मीरजापुर पहुंचे, राहुल गांधी को बताया मानसिक बीमार

मीरजापुर (एजेंसी)। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार रात में विंध्यधाम पहुंचकर मां विंध्यवासिनी की पूजा अर्चना की। वहीं सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर जिला प्रशासन व पुलिस के अधिकारी मौजूद रहे। वह वाराणसी में बाबा काशी विश्वनाथ का दर्शन पूजन करने के बाद विंध्यधाम पहुंचे। यहां विधायक समेत कई लोगों ने अंगवस्त्र भेंटकर उनका अभिनंदन किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मां का दर्शन करने के बाद हिमंत सरमा ने कहा कि राहुल गांधी मानसिक रूप से बीमार है। देश में कोई भी राहुल वादी नहीं है। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा टीपू सुल्तान और छत्रपति शिवाजी को एक बराबर सम्मान दिए जाने की बात पर उन्होंने कहा कि इन लोगों की बात का कोई मतलब नहीं हो सकता। एक हिंदू रक्षक थे तो दूसरा हिंदू भक्षक फिर दोनों बराबर सम्मान के अधिकारी कैसे हो सकते है। उन्होंने कहा कि असम की हालत बहुत खराब है।

हाथों में दूषित पानी लेकर विधानसभा पहुंचे विधायक, दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश विधानसभा बजट सत्र के आज दूसरे दिन यानी मंगलवार को सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले कांग्रेस ने इंदौर के भागीरथपुरा के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया।

कांग्रेस विधायक हाथों में दूषित पानी और तख्तियां लेकर पहुंचे और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। विपक्ष ने दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई के साथ ही मंत्री के इस्तीफे की मांग की है। वहीं इस पर सत्ता पक्ष के विधायकों ने पलटवार भी किया हैं। वहीं भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस के प्रदर्शन पर पलटवार किया है। भाजपा विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा का कांग्रेस को नैतिक रूप से इस्तीफा मांगने का कोई अधिकार नहीं है। कांग्रेस की नीतियों के कारण यह स्थिति बनी हुई है। कांग्रेस ने जो किया, हम आगे सुधारेंगे।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि सरकार टैक्स लेती है तो क्या स्वच्छ पानी पिलाने की जवाबदारी नहीं है। राज्यपाल के अभिभाषण में कहते है मेरी सरकार स्वच्छ पानी पिला रही है, तो कहां स्वच्छ पानी मिल रहा है ? सरकार क्यों बहस से डर रही है। इंदौर की जनता श्मशान घाट जा रही है और मंत्री कुर्सी पर बैठेहुए है। तत्काल मुख्यमंत्री को मंत्री से इस्तीफा लेना चाहिए। दरअसल, इंदौर में हुए पानी कांड ने मध्य प्रदेश समेत पूरे देश को झकझोर कर रखा दिया था। भागीरथपुरा इलाके में दूषित (गंदा) पानी पीने से 25 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। हालांकि सरकारी रिकॉर्ड में आंकड़ें अलग है। इस मामले पर जमकर सियासत भी हुई थी। विपक्ष ने विरोध प्रदर्शन करते हुए दोषियों पर कार्रवाई और मंत्री से इस्तीफे की मांग की थी। वहीं दूसरी तरफ उज्जैन के तराना से कांग्रेस विधायक महेश परमार ने कहा कि इंदौर प्रशासन और भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने पूरे विश्व में शर्मसार किया है। दूषित पानी पीने से लगभग 35 से 40 लोगों की मौत हो गई। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई करने के बजाय उन्हें पदोन्नति देकर ऊपर भेज दिया गया। इन मासूम लोगों की मौत के लिए जो भी दोषी हैं, उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए और पीड़ित परिवारों को न्याय मिलना चाहिए। बीजेपी को शर्म आना चाहिए।

बुधवार को पेश होगा बजट

बता दें कि एमपी विधानसभा के बजट सत्र की कार्यवाही सोमवार 16 फरवरी से शुरू हो चुकी है। जो 6 मार्च तक चलेगी। आज मंगलवार को सत्र का दूसरा दिन है। कल यानी बुधवार को विधानसभा में अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा। इस सत्र में कुल 3478 प्रश्नों की विधानसभा को सूचनाएं, 236 ध्यानाकर्षण, 10 स्थगन प्रस्ताव, 41 अशासकीय संकल्प पेश होंगे। शून्य काल में विधानसभा में 83 सवाल होंगे।

तवांग की बर्फबारी में फंसी गाड़ी तो किरेन रिजिजू धक्का लगाते दिखे,

मंत्री का संदेश— पहाड़ी इलाकों में हर परिस्थिति के लिए रहें तैयार

तवांग (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले में भारी बर्फबारी के बीच केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वे स्थानीय लोगों और कर्मचारियों के साथ मिलकर बर्फ में फंसी एक गाड़ी को धक्का देते नजर आ रहे हैं। मंत्री ने यह वीडियो अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट पर साझा किया, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है।

वीडियो में देखा जा सकता है, कि तवांग क्षेत्र में बर्फबारी इतनी तेज है कि सड़क पर वाहन मुश्किल से आगे बढ़ पा रहे हैं। इसी दौरान एक वाहन बर्फ में फंस गया, जिसके बाद रिजिजू खुद गाड़ी से उतरकर लोगों के साथ उसे धक्का लगाने लगे। कुछ प्रयासों के बाद वाहन को आगे बढ़ाने में सफलता मिली। इस वीडियो को साझा करते हुए रिजिजू ने पहाड़ी क्षेत्रों में यात्रा करने वाले लोगों से सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि तवांग जैसे दुर्गम इलाकों में मौसम अचानक बदल सकता है, इसलिए हर परिस्थिति के लिए तैयार रहना जरूरी है। उन्होंने यात्रियों से आवश्यक सामान और सुरक्षा उपायों के साथ ही सफर करने की सलाह दी। केंद्रीय मंत्री ने सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की भी सराहना की, जो लगातार बर्फ हटाने और सड़कों को चालू रखने में जुटा है। उन्होंने कहा कि विपरीत मौसम परिस्थितियों में बीआरओ की चौकसी और तत्परता सराहनीय है।

तवांग क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से लगातार हिमपात हो रहा है, जिससे कई प्रमुख मार्गों पर जाम की स्थिति बन गई है। बर्फ की मोटी परत के कारण छोटे और बड़े वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई है। बीआरओ की टीमें मशीनों और कर्मियों के साथ सड़क साफ करने में लगी हैं ताकि आवश्यक सेवाएं और यातायात सुचारु रूप से चल सके। सोशल मीडिया पर सामने आए इस वीडियो को लोग व्यापक रूप से साझा कर रहे हैं। कई यूजर्स ने इसे 'जमीनी स्तर पर सक्रिय नेता' की मिसाल बताते हुए मंत्री की सराहना की है।

मछुआरों के बच्चों ने 48 गांव प्लास्टिक फ्री कर 6 बीच तैयार किए... अब रोज 300 पर्यटक आ रहे

कन्याकुमारी (एजेंसी)। तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले में हिंद महासागर के तट पर बसे 48 गांवों को मछुआरों के बच्चों ने प्लास्टिक मुक्त कर दिया है। इसके साथ ही पर्यटकों के लिए 6 बीच तैयार किए हैं। करीब 15 किमी में फैले मछुआरों के गांवों के इन बीच पर पहले सिर्फ मछलियां ही पकड़ी जाती थीं। अब रोज यहां 250-300 पर्यटक पहुंच रहे हैं। यह सब बिना किसी एनजीओ के प्रयास या सरकारी फंड के मुमकिन हुआ है। यहां 'नेगिजी इल्ला नेथल पडई' (प्लास्टिक मुक्त तटीय ब्रिगेड) नाम की पूरी टीम काम कर रही है। इसमें 850 स्कूली बच्चे और 500 ग्रेजुएट हैं। ये सभी इन्हीं गांवों के हैं। ये हर वीकेंड ग्रुप बनाकर गांवों व तट साफ करते हैं।

7 सालों से चल रही इस मुहिम को इंजीनियर मेलबिन रॉबिन ने 2019 में शुरू की थी। उन्होंने 2017 के 'ओखी चक्रवात' में अपने दो भाइयों को खो दिया था। चक्रवात के बाद उन्होंने देखा कि प्लास्टिक के मलबे की वजह से तबाही ज्यादा हुई थी। इसलिए दो दोस्तों के साथ तट की सफाई शुरू की। यह ग्रुप किसी से फंडिंग या मदद नहीं मांगता। इकट्ठा किए प्लास्टिक को बेचकर जो पैसा मिलता है, उसी से वॉलंटियर्स के लिए दस्ताने, जूते और सफाई के उपकरण खरीदते हैं।

वॉलंटियर्स ने मछुआरों को तैयार किया है कि वे समुद्र में इस्तेमाल किए गए प्लास्टिक वापस जमीन पर लाएं। अब तक इस टीम ने तटों से 7,400 किलो प्लास्टिक कचरा हटाया है। इसके साथ ही चक्रवात प्रभावित क्षेत्रों में 1,200 से अधिक नारियल और जामुन के पेड़ लगाए गए हैं।

मछुआरों के बच्चों की यह ब्रिगेड सिर्फ सफाई नहीं करती, बल्कि लोगों का व्यवहार बदल रही है। उन्होंने 'डोर-टू-डोर' दूध के पैकेट कलेक्शन की शुरुआत की है। पिछले साल सिर्फ तीन गांवों से ही 5 लाख से ज्यादा दूध के पैकेट इकट्ठा कर रीसाइकिल के लिए भेजे गए। जो परिवार सबसे ज्यादा प्लास्टिक रीसाइकिल करता है, उसे यह ब्रिगेड साइकिल या अन्य जरूरी घरेलू सामान उपहार में देती है।

भादू में बालिका विद्यालय बना शराबियों और सटोरियों का अड्डा, छात्राओं की सुरक्षा पर मंडराया खतरा

स्मार्ट हलचल

मांडल। भादू गांव स्थित राजकीय बालिका विद्यालय परिसर इन दिनों असामाजिक तत्वों का अड्डा बनता जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि स्कूल परिसर में शराबी खुलेआम शराब पीते हैं और ताश के पत्तों पर जुआ खेलते हैं, जिससे यहां पढ़ने वाली छात्राओं की सुरक्षा पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार विद्यालय समय के बाद ही नहीं, बल्कि कई बार दिन में भी कुछ लोग स्कूल परिसर में घुसकर नशाखोरी करते हैं। इससे छात्राओं में भय का माहौल बना हुआ है। अभिभावकों ने चिंता जताते हुए कहा कि बालिका विद्यालय जैसे

संवेदनशील स्थान पर इस प्रकार की गतिविधियां अत्यंत गंभीर मामला है।

प्रशासनिक लापरवाही के आरोप

ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को कई बार अवगत करवाया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने से शराबियों के हौसले बुलंद हैं। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि गांव के मंदिर परिसर, तालाब क्षेत्र और अस्पताल के आसपास भी कुछ लोग शराब पीकर उत्पात मचाते हैं। ऐसे तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है।

ग्रामीणों की मांग

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि– विद्यालय परिसर में नियमित पुलिस गश्त की व्यवस्था की जाए। असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई हो। स्कूल परिसर की चारदीवारी और मुख्य द्वार की सुरक्षा मजबूत की जाए। मंदिर, तालाब और अस्पताल के आसपास नशाखोरी पर तत्काल रोक लगाई जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन करने को बाध्य होंगे। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर मामले को कितनी तत्परता से संज्ञान में लेकर कार्रवाई करता है।

मौसम का बदला मिजाज, ओलावृष्टि और बारिश से फसलों को भारी नुकसान

स्मार्ट हलचल

मांडल क्षेत्र में बुधवार दोपहर अचानक मौसम ने करवट बदल ली। तेज मेघगर्जना, आंधी और बारिश के साथ हुई ओलावृष्टि ने किसानों की चिंता बढ़ा दी। दोपहर से शुरू हुआ तेज हवा का दौर शाम तक जारी रहा, जिससे खेतों में खड़ी फसलें बुरी तरह प्रभावित हुईं।

ग्रामीण इलाकों में कई स्थानों पर ओले गिरने से गेहूं, चना और सरसों की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। तेज हवा के कारण कई खेतों में फसलें जमीन पर बिछ गईं, जिससे उत्पादन घटने की आशंका जताई जा रही है। किसानों का कहना है कि महंगाई और बढ़ती

लागत से पहले ही उनकी कमर टूटी हुई है, ऐसे में ओलावृष्टि ने हालात और भी खराब कर दिए हैं।

किसानों ने प्रशासन से फसलों की गिरदावरी करवाकर उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि शीघ्र सर्वे कर राहत नहीं दी गई तो उन्हें आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। मौसम के बदले इस मिजाज से पूरे क्षेत्र में चिंता का माहौल बना हुआ है और किसान अपनी फसलों के नुकसान का आकलन करने में जुटे हैं।

नई राज्यास गांव के पास भीषण सड़क हादसा

कार पलटते ही बनी आग का गोला, दो लोगो की मौत, तीन गंभीर घायल

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। फूलियाकलां क्षेत्र में नई राज्यास गांव के समीप भीम-उनियारा एनएच 148डी पर शुक्रवार को एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। मवेशियों को बचाने के प्रयास में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में गिर गई, पलटते ही वाहन में भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक दुर्घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार डिग्गी-मालपुरा साइड के पांच जने स्कॉर्पियो में सवार होकर गहूंली माताजी की ओर जा रहे थे। जैसे ही वाहन नई राज्यास गांव के पास पहुंचा, अचानक सड़क पर मवेशी आ गए। उन्हें बचाने के प्रयास में चालक का संतुलन बिगड़ गया और कार खाई में जा गिरी। पलटते ही कार में आग लग गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई।

राजेन्द्र सिंह, थानाधिकारी फूलियाकलां ने बताया कि कार में कुल पांच लोग सवार थे। हादसे में दो की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए शाहपुरा के अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने आग बुझाने और राहत कार्य में सहयोग किया। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

संदिग्ध हालात में मजदूर युवक की मौत, शरीर पर चोटों के निशान मिलने से हत्या की आशंका गहराई

दाह संस्कार से इनकार, निष्पक्ष जांच व सख्त कार्रवाई की मांग

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा।जिले के गुरला क्षेत्र में सेतुरिया ग्राम पंचायत अंतर्गत जागधरी गांव के एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है।घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है और गांव में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है।जानकारी के अनुसार जागधरी निवासी संजय बारेठ(31)पुत्र भंवर बारेठ महाराष्ट्र के जलगांव में मजदूरी करता था।परिजनों ने बताया कि संजय के साथ काम करने वाले युवक ने उन्हें सूचना दी कि मंगलवार को दोनों बस से गांव लौट रहे थे।इसी दौरान रास्ते में संजय की तबीयत अचानक खराब हो गई और उसने दम तोड़ दिया।शव जब गांव पहुंचा तो परिजन आनन-फानन में अंतिम संस्कार के लिए श्मशान ले

गए।हालांकि वहां मौजूद समाज के कुछ बुजुर्गों ने संजय के मुंह और शरीर पर गंभीर चोटों के निशान देखे।इसके बाद पूरे घटनाक्रम पर सवाल खड़े हो गए और मारपीट से मौत की आशंका गहराने लगी।इस खुलासे के बाद परिजनों का आक्रोश फूट पड़ा।उन्होंने दाह संस्कार करने से साफ इनकार करते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत करोई थाना पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही कारोई थानाप्रभारी महावीर मौके पर पहुंचे और परिजनों व ग्रामीणों से बातचीत कर हालात को संभालने का प्रयास किया।ग्रामीणों ने स्पष्ट रूप से मांग रखी कि मौत के कारणों की पूरी और पारदर्शी जांच कराई जाए,पोस्टमार्टम निष्पक्ष तरीके से हो तथा यदि मारपीट या हत्या की पुष्टि होती है तो दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।ग्रामीणों व परिजनों का कहना है कि जब तक सच्चाई सामने नहीं आती, तब तक अंतिम संस्कार नहीं होने दिया जाएगा। पुलिस ने परिजनों को आश्वासन दिया है कि मामले की गंभीरता से जांच की जाएगी और कानून के अनुसार आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम करवाने के लिए जिला चिकित्सालय भिजवाया है।

भीलवाड़ा-अजमेर नेशनल हाईवे पर भीषण हादसा

कृषि वाहन कंबाइन हार्वेस्टर को ट्रक ने मारी टक्कर, 2 युवक गंभीर

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा-अजमेर नेशनल हाईवे पर रायला थाने के आगे बुधवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। अनियंत्रित ट्रक ने पीछे से कृषि वाहन कंबाइन हार्वेस्टर को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मशीन पर सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि एक युवक वाहन के हिस्सों में दब गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों और रायला पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दबे युवक को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। सभी गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला

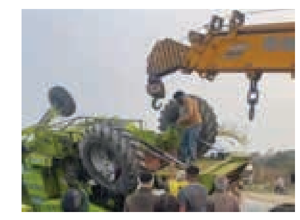

चिकित्सालय रेफर किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक चालक ने नियंत्रण खो दिया और कृषि वाहन कंबाइन हार्वेस्टर को टक्कर मारने के बाद ट्रक दूसरी दिशा में जाकर एक केबिन को भी चपेट में ले बैठा। गनीमत रही कि उस समय सामने से कोई वाहन नहीं आ रहा था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

सिक्योर कंपनी की लापरवाही, दो से तीन घंटे तक वोल्टेज में होता रहा उतार चढ़ाव, कई घरों में उपकरण जले

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

सिक्योर मीटर कंपनी की गंभीर लापरवाही देखने को मिली है । कंपनी की लापरवाही का हर्जाना आर सी व्यास के दो नंबर सेक्टर में रहने वाली जनता को भुगतना पड़ा । बुधवार शाम लगातार दो-तीन घंटे तक वोल्टेज फ्लकचुएशन करता रहा

जिससे कई लोगों के घरों के उपकरण जल गए जिससे काफी नुकसान हुआ और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा वह अलग, क्षेत्र वासी नितेश पारीक , रितेश जैन, गोपाल सोमानी इत्यादि ने मिलकर सिक्योर मीटर के टोल फ्री नंबर पर कंप्लेंट दर्ज कराई, पर उनका कहना था कुछ समय में उसे सुधार दिया जाएगा पर काफी समय बीत गया लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ और लोगों को इससे काफी परेशानी हुई , क्षेत्र वासियों ने मांग की है की भविष्य में इस तरह की परेशानी से सामना न करना पड़े और अगर ऐसी कोई समस्या फिर से आती है तो उसका तुरंत समाधान मिले अन्यथा कंपनी के खिलाफ मोर्चा खोला जाएगा ।

डॉक्टर के नर्स के साथ अंतरंग संबंध का वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का आरोप, चार गिरफ्तार

60 लाख रु मांगे

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

शिवम उर्फ मेवाड़ हॉस्पिटल के मालिक और डॉक्टर अभिषेक पंवार का एक नर्स के साथ अंतरंग संबंधों का वीडियो बनाकर साठ लाख की ब्लैकमेल की रकम मांगने के मामले में सुभाष नगर थाने में अस्पताल के ही चार नर्सिंग कर्मियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इस मामले में प्रारंभिक जांच के बाद अस्पताल स्टाफ के चार जने जफर, अजय, इमरान व जगदीश को गिरफ्तार किया। आरोपी पिछले कई दिनों से वीडियो वायरल करने की धमकी

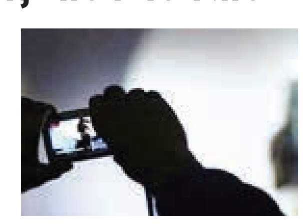

देकर रुपयों का तकाजा कर डॉक्टर अभिषेक पंवार को ब्लैकमेल कर रहे है थे। चर्चा है की इस मामले में एक परिवाद एक युवती ने प्रतापनगर थाने में भी कुछ दिन पूर्व दिया था जिसमे उसके नाम से ग़लत दस्तावेज़ से सिम जारी करने और उस सिम से ब्लैकमेलिंग कर धमकाने का आरोप लगाया गया था। एएसआई शिवराज जाट के पास जाँच बतायी गई।

भारिण्डा से सोपुरा के बीच का दो किलोमीटर रास्ता खराब, ग्रामीणों में रोष

पांच साल बाद भी नहीं बनी दो किलोमीटर सड़क, ग्रामीण अब भी पथरीले रास्ते पर चलने को मजबूर

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। भारिण्डा से सोपुरा के बीच का दो किलोमीटर रास्ते की दयनीय स्थिति ने ग्रामीणों और राहगीरों के लिए परेशानी खड़ी कर दी है। बारिश के बीच रास्ता खराब हो गया था। बारिश निकले हुए दो माह बीत गए हैं। अभी तक रास्ता ठीक नही हुआ। सड़क से लोगों का आवागमन है। ऐसे में निकलने में बड़ी दिक्कतें हो गयी है। पर सुधार कार्य में कोई तेजी नहीं दिख रही। सड़क की खराब हालत के कारण लोगों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि रास्ते पर जगह-जगह गहरे गड्ढे हो गए हैं, जिससे वाहन चलाना खतरनाक हो गया है। बारिश के बाद रास्ता बिलकुल क्षतिग्रस्त हो चूका है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत करवाई जाए, ताकि लोगों को आवागमन में आसानी हो सके। ग्रामीणों का कहना है कि रास्ता की खराब हालत के कारण न केवल उन्हें परेशानी हो रही है, बल्कि बाहर से आने वाले लोगों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। क्या जल्द ही सड़क की मरम्मत करवाई जाएगी या ग्रामीणों को अभी और इंतजार करना पड़ेगा। फिलहाल, ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है और वे जल्द से जल्द सड़क की मांग कर रहे हैं।

मंदिर परिसर में कर रहे थे अफीम का नशा, तीन गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

बनेडा पुलिस ओर डीएसटी ने ग्राम पंचायत बबराणा के भदेरिया श्याम भैरूनाथ मन्दिर परिसर में अफीम का सेवन करने पर 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

एसपी धर्मेंद्र सिंह द्वारा वांछित अपराधियों की धरपकड़ व मादक पदार्थ तस्करी के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत् एएसपी शाहपुरा राजेश आर्य के निर्देशन में और शाहपुरा वृताधिकारी ओमप्रकाश विष्नोई के सुपरविजन में बनेड़ा थानाप्रभारी बछराज चैधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन कर उक्त कार्यवाही को अंजाम दिया । पुलिस के अनुसार जिला स्पेशल टीम भीलवाडा द्वारा मिली सूचना के अनुसार थाना प्रभारी बछराज चौधरी मय टीम और डीएसटी टीम भीलवाडा द्वारा गश्त व चैकिंग

कार्यवाही के दौरान गांव बबराणा के बस स्टैण्ड के पास भदेरियाश्याम भैरूनाथ मन्दिर परिसर के अन्दर तीन व्यक्ति बैठे हुये नजर आये जिनके सामने स्टील के बरतन एक छोटा लोटा, एक प्याली, एक पीतल का छोटा गिलास, एंव चैकोर व मन्दिर नुमा बना हुआ था जिसके दोनो तरफ कपडे की थैलीयां लटकी हुई थी और एक लकडी का छोटा घिसने का लटका हुआ था बीच मे शिव लिंग बना हुआ था। तीनो व्यक्तियों द्वारा अफीम का सेवन करना पाये जाने पर मौके पर गिरफ्तार किया गया । आरोपीयों के द्वारा अफीम के सेवन के विडियों व फोटो सोशल मिडिया पर अपलोड किये गये थें। जिस पर अन्तर्गत धारा 8/27 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शुरू की । गठित पुलिस टीम में थाना अधिमरी बछराज चौधरी के अतिरिक्त कृष्णगोपाल सउनि थाना बनेडा, कांस्टेबल अजय कुमार डीएसटी, देशराज बनेड़ा थाना शामिल रहे ।

इन्हे किया गिरफ्तार

शंकर लाल पुत्र लालाराम गाडरी उम्र 30 साल निवासी बबराना थाना बनेडा जिला भीलवाडा, गोपाल लाल पुत्र रामेष्वर लाल सुथार उम्र 30 साल निवासी बबराना ओर पोखर लाल पुत्र कान्हा जाट उम्र 39 साल को गिरफ्तार किया ।

अज्ञात वाहन की टक्कर से एक की मौत तीन गंभीर रूप से घायल

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

जिले के बिजौलिया थाना क्षेत्र में चांद जी की खेड़ी गांव में मंगलवार देर रात हुए एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई जबकी तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए । चारो युवक तिलस्वां महादेव दर्शन करने जा रहे थे । हादसे के वक्त दो युवक बाइक पर सवार थे और दो युवक पैदल यात्रा कर रहे थे इस दौरान चारो को अज्ञात वाहन ने चपेट में ले लिया जिससे चारो युवक उछलकर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए । ग्रामीणों ने सभी को उप जिला चिकित्सालय बिजौलिया में भर्ती करवाया । जहां सुनील सुथार को

चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया वही दिलीप सिंह भाटी, दिलखुश और सूरज को प्राथमिक उपचार देने के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया । बुधवार सुबह पुलिस ने परिजनो की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया । घायलों का जिला अस्पताल में उपचार जारी है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

15 हजार के ईनामी अपराधी को हरियाणा से दबोचा, एनडीपीएस एक्ट में दो साल से काट रहा था फरारी

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

पुर थाना पुलिस ओर भीलवाड़ा डीएसटी टीम की संयुक्त कार्यवाही में उस अपराधी को पकड़ने में सफलता मिली है जो पिछले दो साल से फरार चल रहा था और एनडीपीएस एक्ट में वांछित था आरोपी को पकड़ने के लिए एसपी ने 15 हजार रु का ईनाम घोषित किया हुआ था जिसे संयुक्त टीम ने अथक प्रयास के बाद हरियाणा से गिरफ्तार कर लिया । इस कार्यवाही में पुर थाने के कांस्टेबल जितेंद्र सिंह और डीएसटी कॉन्स्टेबल अमृतसिंह और राकेश

भंडारी ने विशेष भूमिका निभाई । एसपी धर्मेंद्र सिंह द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करी पर अंकुश लगाने और वांछित अपराधियो की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान जारी है । उक्त कार्यवाही को अंजाम देने के लिए एएसपी सहाड़ा बुद्धराज के निर्देश पर और मांडल वृताधिकारी राहुल जोशी के सुपरविजन में टीम गठित की जिसका नेतृत्व मांडल थाना प्रभारी कन्हैया लाल ने किया ।

यह थी घटना जिसमे आरोपी था वांछित

दिनांक 31 मार्च 2025 को पुर थाने के तत्कालीन थाना अधिकारी जय सुल्तान सिंह कविया ने टीम के साथ कार्यवाही करते हुए आरोपी रोहताश पुत्र कृष्ण कुमार विश्नोई उम्र 35 साल निवासी काजलहेडी थाना फतेहाबाद सदर जिला फतेहाबाद (हरियाणा) को ट्रक कन्टेनर मे 564.200 किलोग्राम डोडा चुरा परिवहन करने के मामले में गिरफ्तार किया था और एनडीपीएस एक्ट मे मामला दर्ज कर जांच वर्तमान थानाधिकारी पुर कन्हैया लाल को सौपी । मामले मे वांछित अपराधी मुकेश कुमार की तलाश शुरू की लेकिन आरोपी अपने ठिकाने बदलते हुए अलग अलग जगह फरारी काट रहा था । इस वांछित अपराधी को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस अधीक्षक ने15000 रु के ईनाम की घोषणा की ओर वांछित अपराधी की गिरफ्तारी के लिए थानाप्रभारी कन्हैया लाल के नेतृत्व मे थाना पुर और डीएसटी भीलवाडा की संयुक्त टीम का गठन किया गया।

इस तरह आरोपी को दबोचा

गठित टीम ने अपने स्तर पर मानवीय सूचना एकत्रित की, तकनीकी सहयोग लिया और परम्परागत पुलिसिंग तरीको को अपनाते हुए वांछित ईनामी आरोपी मुकेश कुमार को हरियाणा से गिरफ्तार कर लिया । आरोपी से पूछताछ जारी है । टीम में पुर थाने के सहायक उपनिरीक्षक राजेंद्र सिंह और कांस्टेबल विक्रमसिंह भी शामिल थे।

नशे में धुत होकर घर में घुसा आरोपी, मां और उसकी नाबालिग पुत्री के साथ की अश्लील हरकते

पोक्सो कोर्ट ने सुनाई सजा, 5 साल काटना होगा कठोर कारावास

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

पोक्सो कोर्ट संख्या 1 के विशिष्ट न्यायाधीश बाल कृष्ण मिश्र ने 8 महीने पुराने छेड़छाड़ और पोक्सो मामले में अहम फैसला सुनाते हुए आरोपी को 5 साल कठोर कारावास और 25 हजार रु जुर्माने से दंडित किया है । मामला शाहपुरा थाना क्षेत्र का है । सुनवाई के दौरान विशिष्ट लोक अभियोजक धर्मवीर सिंह कानावत ने आरोप सिद्ध करने के लिए 14 दस्तावेज और 9 गवाह पेश किए । मामले के अनुसार 25 जुलाई 2025 को प्रार्थिया ने शाहपुरा थाने में मामला

दर्ज करवाया था जिसमे बताया की पांच दिन पूर्व वह अपनी नाबालिग बेटी के साथ घर में सो रही थी तभी आरोपी 26 वर्षीय सत्यनारायण उर्फ सत्तू निवासी जासोरिया शाहपुरा नशे की हालत में उनके घर में घुस गया और अपने कपड़े उतारकर नाबालिग के साथ सो गया । इस दौरान आरोपी ने मां और उसकी नाबालिग पुत्री के साथ अश्लील हरकते भी की जब दोनो की नींद खुली और शोर मचाया तो आस पड़ोस के लोगो मौके पर पहुंच गए और आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया । पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और जांच पड़ताल करने के बाद छेड़छाड़ और पोक्सो एक्ट में मामला दर्ज किया और आरोप पत्र कोर्ट में पेश किए । ट्रायल के दौरान 14 दस्तावेज और 9 गवाह लोक अभियोजक ने पेश कर आरोप सिद्ध करवाया । आरोप सिद्ध होने पर आरोपी को पोक्सो न्यायालय संख्या 1 ने 5 साल कठोर कारावास और 25 हजार रु अर्थदंड की सजा सुनाई।

बैंकों में बढ़ता काम, घटता सुकून: 5 डे बैंकिंग अटकी, वर्क लाइफ बैलेंस बिगड़ा, कर्मचारियों ने खोला मोर्चा

बैंकर्स या मशीन?' 6 दिन काम, छुट्टी में भी ड्यूटी; देर से पहुंचे तो ट्रांसफर की धमकी! फूटा गुस्सा — बोले, अब नहीं सहेंगे दबाव

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। देश की बैंकिंग व्यवस्था को संभालने वाले बैंक कर्मचारी अब खुद को दबाव और अनिश्चितताओं के बीच घिरा हुआ महसूस कर रहे हैं। बढ़ते कार्यभार, छुट्टियों में भी काम का दबाव, ट्रांसफर की धमकियों और कथित नीतिगत भेदभाव को लेकर कर्मचारियों का गुस्सा खुलकर सामने आ गया है। कर्मचारियों का कहना है कि बैंकिंग सिस्टम लगातार आधुनिक हो रहा है, लेकिन कर्मचारियों की कार्य परिस्थितियां पहले से ज्यादा कठिन होती जा रही हैं।

'छुट्टी भी अब छुट्टी नहीं' – ऑफ डे में बुलावा, देर तक बैठाने के आरोप

कर्मचारियों का आरोप है कि छह दिन लगातार काम करने के बावजूद उन्हें छुट्टी के दिनों में भी काम के लिए बुलाया जाता है। कई शाखाओं में तय समय से ज्यादा देर तक रुकने का दबाव बनाया जाता है। देरी से आने या सवाल उठाने पर ट्रांसफर की धमकी दिए जाने के आरोप भी लगाए गए हैं।

5 डे बैंकिंग की मांग सालों से इंतजार

बैंक कर्मचारियों ने कहा कि अन्य क्षेत्रों में पांच दिन कार्य व्यवस्था लागू हो चुकी है, लेकिन बैंकिंग सेक्टर में यह मांग वर्षों से लंबित है। उनका कहना है कि 5 डे बैंकिंग लागू होने से कर्मचारियों को राहत मिलेगी और कार्यक्षमता भी बढ़ेगी।

महिला कर्मचारियों की स्थिति ज्यादा चुनौतीपूर्ण

कर्मचारियों के अनुसार कई शाखाओं में महिला कर्मचारियों को देर रात तक रुकना पड़ता है और ऑफ डे में भी बुलाया जाता है, जिससे सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। उन्होंने सुरक्षित और संवेदनशील कार्य वातावरण सुनिश्चित करने की मांग की।

ट्रांसफर नीति पर सवाल, उच्च प्रबंधन पर भेदभाव के आरोप

कर्मचारियों ने कहा कि सरकार की ट्रांसफर नीतियों का पालन सही तरीके से नहीं किया जा रहा और उच्च प्रबंधन द्वारा भेदभावपूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है। इससे कर्मचारियों में असंतोष और असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है।

स्वास्थ्य पर असर – गंभीर बीमारियों का खतरा

लगातार बढ़ते काम और मानसिक तनाव का असर कर्मचारियों के स्वास्थ्य पर दिखाई दे रहा है। कर्मचारियों का दावा है कि कई बैंकर्स गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं, जो कार्य परिस्थितियों का परिणाम है।

8वें वेतन आयोग के बाद सैलरी सबसे कम होने का डर

कर्मचारियों ने आशंका जताई कि 8वें वेतन आयोग के बाद अन्य क्षेत्रों की तुलना में बैंक कर्मचारियों की सैलरी सबसे कम रह सकती है। उन्होंने वेतन संरचना में सुधार की मांग की।

10 लाख बैंकर्स और उनके परिवारों पर असर

देशभर में करीब 10 लाख बैंक कर्मचारी कार्यरत हैं और उनके परिवार भी इन परिस्थितियों से प्रभावित हो रहे हैं। कर्मचारियों ने कहा कि यह सिर्फ कर्मचारियों का नहीं बल्कि समाज और बैंकिंग व्यवस्था की स्थिरता का मुद्दा है।

पंचलाइन – 'बैंक चलाने वालों को ही राहत नहीं, तो सिस्टम कैसे चलेगा?'

कर्मचारियों ने सरकार से गंभीरता से विचार कर जल्द ठोस निर्णय लेने की मांग की है। चेतावनी दी गई है कि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

गाय को बचाने के प्रयास में टमाटरों से भरा ट्रक पलटा

स्मार्ट हलचल

पीपलूंद। भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर उपखंड थाना क्षेत्र के कुराड़िया गांव में मंगलवार को दोपहर करीब 2 बजे टमाटरों से भरे ट्रक के आगे अचानक सामने से एक गाय आ गई। ट्रक चालक ने गाय को बचाने के प्रयास में टमाटरों से भरा ट्रक असंतुलित होकर सड़क किनारे पलट गया। ग्रामीणों नेबताया बताया कि ट्रक के आगे अचानक एक गाय के सामने आ जाने से चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिससे यह हादसा हुआ। और ट्रक सड़क किनारे पलट गया। गनीमत यह रही की हादसे के समय सड़क किनारे अपने घर के बाहर बैठी एक बुजुर्ग महिला इस हादसे में बाल-बाल बच गई। हादसे की सूचना मिलने पर गांव में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ट्रक पलटते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने हादसे की सूचना जहाजपुर थाना पुलिस को दी गई। ग्रामीणों की सूचना पर जहाजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। राहत की बात यह रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि ट्रक में भरे टमाटरों के केरिटों से टमाटर सड़क पर बिखर गए। जिससे सड़क पर जाम लग गया। और कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित हुआ।

श्यामगढ़ विद्यालय में 36 छात्रों को साइकिल वितरित

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय श्यामगढ़ में बुधवार को कक्षा 9 की 36 छात्रों को साइकिल वितरित की गई। यह कार्यक्रम निःशुल्क साइकिल वितरण योजना के अंतर्गत आयोजित किया गया। जिसका उद्देश्य छात्राओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना है। साइकिल वितरण के दौरान छात्रों को शिक्षा के महत्व और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

साइकिल वितरण समारोह में पंचायत समिति सदस्य सत्यनारायण मेवाड़ा, सरपंच प्रतिनिधि सूरजमल गुर्जर, एसएमसी अध्यक्ष भोजराज मीणा, विद्यालय के प्रधानाचार्य पवन कुमार शर्मा, साइकिल वितरण समारोह की प्रभारी रामराज मीणा एवं स्टाफ के सभी सदस्य मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस पर अस्पतालों में हुए विशेष एएनसी जांच शिविर आयोजित

गर्भवती महिलाओं को एएनसी जांच, एफसीएम इंजेक्शन व 'मां वाउचर' से मिला निःशुल्क सोनोग्राफी का लाभ

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। उच्च जोखिम गर्भावस्थाओं की समय रहते पहचान करने तथा गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बुधवार को जिले में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर जिले के समस्त राजकीय चिकित्सालयों एवं स्वास्थ्य संस्थानों में गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष एएनसी (प्रसव पूर्व) जांच शिविर आयोजित किए गए, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। अभियान के तहत प्रत्येक माह की 9, 18 एवं 27 तारीख को आयोजित होने वाले इस विशेष दिवस पर चिकित्सकों द्वारा गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क जांच, परामर्श एवं आवश्यक उपचार प्रदान किए गए। जांच के दौरान महिलाओं का वजन, ऊंचाई, रक्तचाप, हीमोग्लोबिन स्तर, एचआईवी एवं सिफलिस जांच के साथ-साथ पेट की संपूर्ण चिकित्सकीय जांच की गई, ताकि गर्भावस्था के दौरान संभावित जोखिमों की समय रहते पहचान की जा सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि जिन गर्भवती महिलाओं में हीमोग्लोबिन का स्तर कम पाया गया, उन्हें फेरिक कार्बोक्सीमाल्टोज (एफसीएम) इंजेक्शन लगाए गए, जिससे एनीमिया की स्थिति में शीघ्र सुधार हो सके और सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि एनीमिया मुक्त गर्भावस्था स्वस्थ मां और शिशु के लिए अत्यंत आवश्यक है। अभियान के दौरान ब्लॉक स्तरीय चिकित्सा अधिकारियों द्वारा विभिन्न चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही मां वाउचर योजना के अंतर्गत गर्भकाल की दूसरी एवं तीसरी तिमाही की पात्र महिलाओं को निजी सोनोग्राफी केंद्रों पर निःशुल्क सोनोग्राफी सुविधा उपलब्ध करवाने हेतु कूपन जारी किए गए। महिलाओं ने इन वाउचरों का उपयोग कर निजी सोनोग्राफी केंद्रों पर निःशुल्क सोनोग्राफी जांच का लाभ प्राप्त किया।

भारत कॉटननेट 2026: 'कस्तूरी कॉटन गांव व मित्र' पहल का शुभारंभ

टिकाऊ कपास मूल्य श्रृंखला के लिए सहयोग पर मंथन

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री (सीआईटीआई) की इकाई सीआईटीआई-कॉटन डेवलपमेंट एंड रिसर्च एसोसिएशन (सीआईटीआई-सीडीआरए) द्वारा 'भारत कॉटननेट 2026' का आयोजन स्थानीय द इम्पीरियल प्राइम में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह सम्मेलन लगातार तीसरे वर्ष आयोजित किया गया। इस वर्ष सम्मेलन की थीम 'टिकाऊ कपास मूल्य श्रृंखला के लिए सहयोग' रही।

कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास, वस्त्र मंत्रालय की संयुक्त सचिव (फाइबर) श्रीमती पद्मिनी सिंगला, कृषि विभाग के अधिकारी, वैज्ञानिक, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, निर्यातक, प्रमाणन एजेंसियां तथा किसान प्रतिनिधि शामिल हुए।

सम्मेलन के दौरान कपास उत्पादकता में वृद्धि, जलवायु अनुकूल खेती, तथा संस्थागत सहयोग जैसे विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। विशेषज्ञों ने कपास उत्पादन में गुणवत्ता सुधार, टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने और किसानों को तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

ग्रामीण मंडल की बैठक में नवनियुक्त कार्यकारिणी की घोषणा

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। भारतीय जनता पार्टी मांडलगढ़ ग्रामीण मंडल की बैठक में नवनियुक्त कार्यकारिणी की घोषणा की गई। श्याम लाल अहीर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में उपाध्यक्ष सत्यनारायण सुथार एवं मोहन सिंह शक्तावत को महामंत्री बनाया गया। जिला अध्यक्ष प्रशांत कुमार मेवाड़ा के निर्देशानुसार और विधायक गोपाल खंडेलवाल की सहमति से यह घोषणा की गई।

भीलवाड़ा जिला अस्पताल में सुरक्षा को बड़ी चुनौती

फोटो क्रेडिट -: राजेश जीनगर

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

जिले के सबसे बड़े 'अ' श्रेणी चिकित्सालय महात्मा गांधी हॉस्पिटल में चप्पे-चप्पे पर तैनात सुरक्षाकर्मियों की चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था का जायजा, मरीजों के जान-माल की सुरक्षा को बड़ी चुनौती।

कला प्रेमियों के लिए तीन दिवसीय चित्रकला एवं मूर्तिकला प्रदर्शनी 23 से

दीपिका आर्ट अकैडमी, नवदीप व गुजरात ललित कला अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में होगा आयोजन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। शहर के शास्त्री नगर स्थित दीपिका आर्ट अकैडमी में कला प्रेमियों के लिए एक विशेष तीन दिवसीय चित्रकला एवं मूर्तिकला प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रदर्शनी 23 फरवरी से 25 फरवरी 2026 तक आयोजित होगी तथा प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात्रि 8 बजे तक आमजन के लिए खुली रहेगी। दीपिका आर्ट अकैडमी, नवदीप तथा गुजरात ललित कला अकादमी के संयुक्त सहयोग से आयोजित इस प्रदर्शनी की जानकारी देते हुए अकैडमी की निदेशक दीपिका पाराशर ने बताया कि शास्त्री नगर भीलवाड़ा स्थित अकैडमी परिसर में आयोजित यह आयोजन समकालीन कला को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उनका कहना है कि भीलवाड़ा जैसे उभरते सांस्कृतिक शहर में राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों को मंच प्रदान करना अत्यंत आवश्यक है। अहमदाबाद में जन्मे कंटेंपरेरी स्कल्पचर आर्टिस्ट अल्य मिस्त्री इस प्रदर्शनी के मुख्य आकर्षण रहेंगे। वे मिक्स मीडिया में कार्य करते हैं और अपनी कृतियों में वुड, फाइबर, एल्यूमिनियम, एम-सील, आयरन सहित विभिन्न माध्यमों का प्रयोग करते हैं। उनकी कलाकृतियों में आधुनिकता, सामाजिक सरोकार और प्रयोगधर्मिता का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। मिस्त्री को गुजरात ललित कला अकादमी से सम्मान प्राप्त हो चुका है। इसके अतिरिक्त कानोरिया कार्निवल में उन्हें 'बेस्ट स्कल्पचर अवार्ड' से सम्मानित किया गया। इंडियन रॉयल अकैडमी ऑफ आर्ट एंड कल्चर, गुलबर्गा द्वारा भी उन्हें अवार्ड प्रदान किया गया है। उन्होंने देश-विदेश की अनेक प्रतिष्ठित प्रदर्शनियों में भाग लिया है तथा दिल्ली, मुंबई और गुजरात में उनके एकल (वन मैन शो) आयोजित हो चुके हैं। दीपिका पाराशर ने बताया कि प्रदर्शनी में चित्रकला और मूर्तिकला की विविध शैलियों का प्रदर्शन किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों, युवा कलाकारों और कला प्रेमियों को नई तकनीकों व अभिव्यक्ति के आयामों को समझने का अवसर मिलेगा। उन्होंने शहरवासियों से अधिकाधिक संख्या में प्रदर्शनी में पहुंचकर कला का अवलोकन करने और कलाकारों का उत्साहवर्धन करने की अपील की। यह आयोजन न केवल कला के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि भीलवाड़ा की सांस्कृतिक पहचान को भी सशक्त बनाएगा।

बनेड़ा क्षेत्र में तेज बारिश के साथ ओले गिरे

स्मार्ट हलचल | बनेड़ा

कस्बे तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बुधवार सुबह से आसमान में बादलों का जमावड़ा लगा रहा ।इससे पुर्व मंगलवार को भी दिनभर धूप छाव की स्थिति के बाद रात्रि आठ बजे बाद तेज हवाएं चलने लगी। वहीं रात्रि 11.30 बजे से बादलों की गर्जना के बाद बारिश का दौर शुरू हुआ। इस दौरान कभी तेज तो कभी कम हल्की बुंदाबादी हुई। बारिश और बदले मौसम के मिजाज के कारण तापमान में गिरावट हुई। वही बुधवार साय चार बजे बाद तेज बारिश के साथ ओले गिरे। तेज हवाओं बारिश और ओले गिरने से खेतों में खडी फसलो को नुकसान पहुंचा। साथ घरटा डाबला कमालपुरा खेडलिया बबराणा सहित अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में भी बारिश और ओले गिरने से किसान चिंतित दिखाई दिए।

ब्राह्मण महासंघ में दीपक मिश्रा प्रदेश मंत्री मनोनीत

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

समाजसेवी दीपक मिश्रा निवासी तूंगा, जयपुर को ब्राह्मण महासंघ में प्रदेश मंत्री पद पर मनोनीत किया गया है। यह मनोनयन उनके द्वारा समाज हित में किए गए उल्लेखनीय कार्यों, निरंतर सामाजिक सक्रियता एवं संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए किया गया है। उनकी नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ श्री दीपक निर्झरना द्वारा, प्रदेश अध्यक्ष वेदप्रकाश उपाध्याय की सहमति से की गई। दीपक मिश्रा लंबे समय से समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए गरीब व जरूरतमंद परिवारों की सहायता, युवाओं को सामाजिक कार्यों से जोड़ने, शिक्षा एवं सामाजिक जागरूकता के कार्यक्रमों, तथा समाज को संगठित कर सकारात्मक दिशा देने जैसे कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं।

उनकी नियुक्ति पर समाज में हर्ष का माहौल है।, डॉक्टर नरेंद्र शर्मा सर्जरी ,डॉ लक्ष्य टहला,ष्ठह्न शुभम सीके बिड़ला ष्ठह्न अरविंद शर्मा न्यूरो सर्जन, डॉ डीके मंगल बेबी लोन हॉस्पिटल, अमित व्यास,भागचंद शर्मा, हर्षित शर्मा सचिवालय, निशा भारद्वाज दौसा,आरती व्यास, शिवा डोरीवान, मनीष डोरीवान,नितिन शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों एवं समाजसेवियों ने बधाई देते हुए मनोनयन पर हर्ष व्यक्त किया है।

64 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त कर 51,200 का जुर्माना लगाया

5.08 लाख के नगरीय विकास कर की वसूली, गंदगी फैलाने वाले 46 व्यक्तियों पर 16,250 का जुर्माना

75 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के बाहर अतिक्रमण हटाए

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार नगर निगम भीलवाड़ा द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक/प्लास्टिक कैरी बैग की रोकथाम एवं गंदगी फैलाने वालों, अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है आयुक्त हेमाराम चौधरी ने बताया कि शहर को सिंगल यूज प्लास्टिक /प्लास्टिक कैरी बैग से मुक्त करने हेतु निगम द्वारा विशेष अभियान 9 फरवरी से 28 फरवरी के मध्य चलाया जा रहा है, इस अभियान के तहत दिनांक 18 फरवरी 2026 को 64 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक/प्लास्टिक कैरी बैग की जब्ती कर 51,200 रुपए का जुर्माना वसूल किया गया। अभियान के दौरान 1023 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक/प्लास्टिक कैरी बैग की जब्ती कर कुल राशी 1.86 लाख का जुर्माना वसूल किया जा चुका है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत गंदगी एवं कचरा फैलाने वाले 46 व्यक्तियों पर 16,250 रुपए का जुर्माना किया गया ,गंदगी फैलाने वालों पर अभियान के दौरान कुल 2.77 लाख रुपए का जुर्माना वसूल किया जा चुका है एवं नगरीय विकास कर की 5.08 लाख रुपए की वसूली की गई, अभियान के दौरान कुल राशि 73.75 लाख रुपए का नगरीय विकास कर वसूल किया जा चुका है। निगम द्वारा अस्थाई अतिक्रमण के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए शहर के मध्य स्थित सूचना केंद्र के चारों तरफ एवं सूचना केंद्र से सीताराम जी की बावड़ी तक अस्थाई अतिक्रमण हटाए गए एवं 75 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के बाहर हो रहे अतिक्रमण तोड़े गए। निगम आयुक्त ने बताया कि निगम द्वारा उक्त अभियान नियमित रूप से चलाया जाकर गंदगी फैलाने वालों एवं सिंगल यूज प्लास्टिक / प्लास्टिक कैरी बैग एवं अस्थाई अतिक्रमण पर नियमित रूप से कार्यवाही की जाएगी।

सिस्टम नाकाम,जनता का जुगाड़ कामयाब, श्याम विहार कॉलोनी में पाइपलाइन से निकासी कर जलभराव से मिली राहत

स्मार्ट हलचल

मंगरोप। मंगरोप कस्बे की श्याम विहार कॉलोनी में वर्षों से सड़क और नालियों के अभाव से कच्ची सड़क पर फैल रहे गंदे पानी को स्थानीय वाशिंदों ने परेशानी का सबब बना लिया है।घरों से निकलने वाला गंदा पानी नालिया नहीं होने से कॉलोनी की कच्ची गलियों में भर जाता था,जिससे आवागमन बाधित होने के साथ-साथ घरों के आगे गंदगी और मच्छरों का खतरा बढ़ जाता था।बार-बार शिकायतों और आश्वासनों के बावजूद स्थायी समाधान न मिलने से कॉलोनीवासियों में निराशा गहराती चली गई।हालात से हार मानने के बजाय स्थानीय निवासियों ने सामूहिक प्रयास से अनोखा रास्ता निकाला।कॉलोनी के लोगों ने देशी जुगाड़ अपनाते हुए सिंचाई में काम आने वाली लगभग 200 फीट लंबी पाइप को जोड़कर अस्थायी निकासी व्यवस्था तैयार की।इस पाइपलाइन के माध्यम से घरों से निकलने वाले पानी को कॉलोनी के बाहर सुरक्षित स्थान पर मोड़ दिया गया,जिससे जलभराव से तत्काल राहत मिली और राहगीरों को भी सुविधा हुई।कॉलोनीवासियों का कहना है कि यह व्यवस्था मजबूरी में की गई है।उनका उद्देश्य प्रशासन को चुनौती देना नहीं,बल्कि रोजमर्रा की परेशानी से निजात पाना है।हालांकि,वे स्पष्ट रूप से मांग कर रहे हैं कि यह अस्थायी समाधान स्थायी विकास का विकल्प नहीं हो सकता।कॉलोनी में पक्की सड़क और सुव्यवस्थित नालियों का निर्माण आवश्यक है।ताकि लोगों को जुगाड़ का सहारा न लेना पड़े।स्थानीय लोगों ने प्रशासन से शीघ्र सर्वे कर बजट स्वीकृत कराने और निर्माण कार्य शुरू करने की मांग की है।उनका कहना है कि जनता का जुगाड़ तात्कालिक राहत दे सकता है,लेकिन जिम्मेदार तंत्र की सक्रियता से ही स्थायी समाधान संभव है।श्याम विहार कॉलोनी की यह पहल बताती है कि जब व्यवस्था सुस्त हो जाए,तब भी जागरूक नागरिक मिलकर समस्या का रास्ता खोज लेते हैं–पर अब जरूरत है कि प्रशासन इस संदेश को समझे और विकास कार्यों को प्राथमिकता दे।

विश्व प्रसिद्ध बादशाह मेला इस बार और अधिक भव्य व आकर्षक होगा-जिला कलेक्टर

ब्यावर में होली एवं बादशाह मेले की तैयारियों को लेकर जिला कलेक्टर कमल राम मीना की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभागार में होली एवं बादशाह मेले की आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर जिला कलेक्टर कमल राम मीना की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर कमल राम मीना ने बताया कि विश्व प्रसिद्ध बादशाह मेले को इस बार और अधिक ख्याति एवं आकर्षक रूप से आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मेले के सफल आयोजन हेतु जिला प्रशासन द्वारा अतिरिक्त प्रयास किए जाएंगे तथा बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। बैठक में मेला संयोजक बादशाह मेला समिति द्वारा अवगत कराया गया कि 4 मार्च को बादशाह मेले का आयोजन किया जाएगा। सभी विभागों से आपसी समन्वय एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण

में त्यौहार संपन्न कराने का आह्वान किया गया। बैठक में कानून-व्यवस्था, यातायात, चिकित्सा, विद्युत, पेयजल, सफाई, परिवहन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर विभिन्न विभागों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णय

कानून एवं शांति व्यवस्था- मेले के दौरान पर्याप्त पुलिस जाप्ता तैनात किया जाएगा तथा संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। महिलाओं एवं युवतियों की सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्था तथा महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। शराब पीकर अशांति फैलाने वालों तथा अनुचित तरीके से गुलाल फेंकने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। यातायात नियंत्रण हेतु अतिरिक्त ट्रैफिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

नगर परिषद द्वारा व्यवस्थाएं- मेला मार्ग पर प्रकाश व्यवस्था, मंच, साउंड, आतिशबाजी एवं रोशनी की व्यवस्था की जाएगी। सवारी मार्ग में बाधक पेड़ों की टहनियों को हटाया जाएगा तथा अनधिकृत दुकानों को नियंत्रित कर भीड़ प्रबंधन किया जाएगा। मेले में अच्छी गुणवत्ता की लाल गुलाल का उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। मेले से पूर्व आवारा पशुओं को नियंत्रित किया जाएगा तथा मेला समाप्ति के बाद शहर एवं मार्ग की सफाई करवाई जाएगी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था- संभावित दुर्घटनाओं, चर्म एवं नेत्र रोग आदि के उपचार हेतु राजकीय चिकित्सालयों में विशेष व्यवस्था की जाएगी। मेले के दिन जिला कार्यालय में मेडिकल टीम एवं एम्बुलेंस तैनात रहेगी तथा गुलाल के नमूनों की गुणवत्ता जांच की जाएगी।

विद्युत एवं पेयजल व्यवस्था- विद्युत विभाग द्वारा ढीले तारों को ठीक कर उनकी ऊंचाई सुनिश्चित की जाएगी तथा निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखी जाएगी। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा निर्धारित स्थलों पर पेयजल टैंकर उपलब्ध कराए जाएंगे।

अग्निशमन एवं परिवहन व्यवस्था- अग्निशमन विभाग द्वारा फायर वाहन अलर्ट रखे जाएंगे। राजस्थान राज्य परिवहन निगम द्वारा विभिन्न क्षेत्रों से यात्रियों एवं पर्यटकों के लिए बसों का संचालन किया जाएगा तथा मेले के बाद अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की जाएगी।

जनसम्पर्क एवं अन्य व्यवस्थाएं- सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा मेले का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा तथा सुरक्षित एवं अच्छी गुणवत्ता की गुलाल उपयोग करने की अपील जारी की जाएगी। मेला समिति द्वारा सुरक्षा के लिए ड्रोन कैमरा एवं वीडियो रिकॉर्डिंग की व्यवस्था की जाएगी। बीएसएनएल एवं विद्युत विभाग द्वारा सवारी मार्ग के ढीले तारों को व्यवस्थित किया जाएगा।

बैठक के अंत में सभी विभागों एवं जनसंस्थाओं से समन्वय एवं सहयोग के साथ होली एवं बादशाह मेले को सफलतापूर्वक संपन्न कराने का आह्वान करते हुए बैठक समाप्त की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारीगण एवं बादशाह मेला समिति के सदस्य अमित बंसल, मुकेश गर्ग, अजय गोयल, कमल सर्राफ, मेला संयोजक बादशाह मेला समिति ब्यावर , अतिरिक्त जिला कलेक्टर ब्रह्म लाल जाट, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह, संजय गहलोत, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, कुलज्योति जिला परिवहन अधिकारी उपस्थित रहे।

25 बालिकाओं को साईकिल वितरण की

स्मार्ट हलचल

आकोला। क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय धाकड़ खेड़ी प्रथम में राज्य सरकार द्वारा निशुल्क साइकिलो का वितरण हुआ ।राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय धाकड़ खेड़ी प्रथम में कक्षा 9 की बालिकाओं को 25 साइकिलों का निशुल्क राज्य सरकार की योजना से अतिथियों के द्वारा साइकिलों का वितरण किया गया ।छात्राएं धाकड़ खेड़ी बागीद हिंगोनिया भवानी पूरा आदि गांव से छात्राएं पैदल आई थी।वे छात्राएं जैसे ही अतिथियों के द्वारा निशुल्क साइकिल वितरण की गई छात्राएं खुशी से झूम उठी। निशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय धाकड़ खेड़ी प्रथम के प्राचार्य इरशाद आलम काजी, विद्यालय के पूर्व एसएमसी अध्यक्ष भीम सिंह कानावत ,पूर्व सरपंच मोडी राम सुथार, मांगीलाल धाकड़, देवीलाल खटीक, बालू राम धाकड़, कैलाश चंद शर्मा, राधेश्याम व्यास, राजेश कुमार मीणा, राधेश्याम धाकड़, मोहनलाल बेरवा आदि गणमान्य अतिथियों के द्वारा राज्य सरकार की निशुल्क योजना की कक्षा 9 की छात्राओंझको 25 साइकिलों का वितरण किया।

परीक्षा आठवी आज से पाँचवी का मूल्यांकन कल से डाइट स्तर पर तैयारियां पूर्ण

स्मार्ट हलचल| उदयपुर

पंजीयक बीकानेर के निर्देशानुसार डाइट उदयपुर के तत्वावधान में कक्षा 8 की प्रारम्भिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण पत्र परीक्षा गुरुवार 19 फरवरी से तथा कक्षा 5 का प्राथमिक शिक्षा अधिगम स्तर मूल्यांकन शुक्रवार 20 फरवरी से शुरु होगा।

डाइट प्रिंसीपल शीला काहाल्या के अनुसार इस हेतु उदयपुर तथा सलूम्बर जिले में पाँचवी के 1642 तथा आठवीं के 328 परीक्षा केन्द्र बनाये गए है जहाँ पाँचवी व आठवी के कमशः 62820 तथा 56550 विद्यार्थी भाग लगे। परीक्षा के जिला प्रभारी अधिकारी सत्यप्रिय ने बताया

कि दोनों ज़िलों में पाँचवी के लिए 60 तथा आठवी के लिए 28 संग्रहण एवं मूल्यांकन केन्द्र स्थापित किये गये हैं।

परीक्षा एवं प्रश्न पत्रों की सुरक्षा एवं गोपनीयता के लिए सभी परीक्षा केन्द्राधीक्षकों द्वारा प्रश्नपत्र को सम्बन्धित थाना चौकियों में रखवाया जा चुका है।

सत्यप्रिय ने बताया कि पंजीयक के निर्देशानुसार डाइट मुख्यालय पर कन्ट्रोल रूम स्थापित कर दिया गया है जहाँ परीक्षा केंद्रों की उपस्थिति एवं अन्य कार्य निष्पादित किये जाएंगे।

परीक्षा के सफल संचालन हेतु जिला एवं ब्लॉक मुख्यालयों पर परीक्षा संचालन समिति का गठन किया जा चुका है। परीक्षा में नकल की रोकथाम के लिए जिला मुख्यालय पर सीडीईओ, जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक (मु0), डाइट प्रिंसीपल तथा वाइस प्रिंसीपल के नेतृत्व में चार उडन दस्तों का गठन भी किया गया है। परीक्षा का समय प्रतिदिन दोपहर 1:30 बजे से 4:00 बजे तक का रहेगा। पाँचवी में कुल 4 तथा आठवी में 6 प्रश्न पत्र होंगे। पाँचवी का अन्तिम मूल्यांकन 4 मार्च को होगा जबकि 8 वीं की अन्तिम परीक्षा 6 मार्च को होगी।

अमावस्या के अवसर पर सिंगोली चारभुजा के दर्शनार्थ उमड़े हजारों श्रद्धालु, सिंगोली श्याम सेवा संस्थान ने सम्भाली व्यवस्थाएं

स्मार्ट हलचल

आकोला। मेवाड़ के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल हरि हर धाम सिंगोली चारभुजा के यहां फाल्गुन बड़ी अमावस्या के अवसर पर मंगलवार को दर्शनार्थ हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। सिंगोली चारभुजा मन्दिर मार्ग , मन्दिर परिसर , मेला प्रांगण जहां देखो वहीं श्रद्धालुओं का जन सैलाब दिखाई दिया। मन्दिर मार्ग पर दिन में कई बार चक्का जाम की स्थिति बनी रही। चौपहिया और दुपहिया वाहनों की बात तो क्या वहां पैदल निकलना भी कठिन हो गया था।

सिंगोली चारभुजा मन्दिर प्रबन्धक अर्जुन सिंह सोलंकी , मन्दिर भण्डारी सुरेन्द्र कुमार पाराशर ने बताया कि अमावस्या की भोर वेला में पण्डित कमलेश शर्मा के वैदिक मंत्रोच्चारों के मध्य बालू लाल जोशी (देवरिया), कैलाश चन्द्र जोशी (देवरिया) अनुरोध अजमेरा (भीलवाड़ा), राजेन्द्र कुमार व्यास (नगर व्यास भीलवाड़ा), गोविंद लाल श्याम लाल सुखवाल (सूठेपा), एवं महिला भजन कीर्तन मंडल(सिंगोली चारभुजा) की ओर से अभिषेक करवाया गया।

पुजारी गोविन्द पाराशर ने प्रतिमा का आकर्षक श्रृंगार कर विशेष आरती की । तड़के यज्ञ हवन भी किया गया। सिंगोली श्याम सेवा संस्थान की ओर से संस्थान के संरक्षक फूलडोल सुझाव समिति के अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में संस्थान के अध्यक्ष भवानी शंकर जोशी , उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह पुरावत , कोषाध्यक्ष छगन लाल शर्मा , सचिव राधेश्याम सेन , सह सचिव दिनेश चन्द्र स्वर्णकार आदि यात्रियों की सुविधा के लिए मन्दिर परिसर में स्वच्छता एवं सफाई पर विशेष कार्य करवा रहे है। निःशुल्क सुलभ शौचालय संचालित किए जा रहे है। कचरा संग्रहण के लिए ट्रेक्टर ट्रॉली संस्थान ने उपलब्ध करवा रखी है। जूते चप्पलों को मन्दिर से दूर व्यवस्थित खुलवाने के लिए भी चौकीदार बैठा रखा है । मन्दिर परिसर के आसपास सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए 5 सुरक्षाकर्मी भी लगाए जिससे यातायात व्यवस्था में सुधार हुआ। पूर्व विधायक प्रदीप कुमार सिंह ने मंगलवार की अपराह्न मन्दिर पहुंच कर फूलडोल महोत्सव की तैयारियों पर चर्चा कर दिशा निर्देश मन्दिर प्रबन्धक अर्जुन सिंह सोलंकी को दिए। हजारों श्रद्धालुओं के आगमन से कई बार सिंगोली चारभुजा के यहां व्यवस्थाएं चरमरा जाती है। सिंगोली श्याम सेवा संस्थान के अध्यक्ष भवानी शंकर जोशी ने बताया कि मन्दिर मार्ग, मन्दिर परिसर में पार्किंग की समुचित व्यवस्था नहीं होने से वाहनों को बेतरतीब खड़ा कर दिया जाता है। देवस्थान विभाग अजमेर के अधिकारियों को मन्दिर के विकास और व्यवस्थाओं की तनिक भी चिन्ता नहीं है उन्हें तो मात्र दानपात्र से निकलने वाली लाखों रूपयों की राशि को ले जाने से मतलब रहता है। जोशी ने मन्दिर की व्यवस्थाओं को सुधारने के बारे में क्षेत्रिय विधायक व सिंगोली प्रशासक से भी इस बारे में चर्चा की है ।

लाडपुरा क्षेत्र में बदला मौसम, बूंदाबांदी से फसलों को पहुंचा नुकसान

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा । कस्बे सहित क्षेत्र के अमरतिया, चित्तौड़िया, फुल जी की खेड़ी, श्यामगढ़, टहला का झोपड़ा और टहला आदि गांवों में बुधवार को मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया। सुबह से ही छाए सर्द हवाओं के बीच हुई बूंदाबांदी ने जनजीवन को प्रभावित किया। क्षेत्र

में सुबह से ही काले बादल एवं तेज हवा की लहरों ने मौसम का मिजाज ही बदल दिया। देखते ही देखते तेज बारिश एवं बादल की गर्जना के साथ कभी रिमझिम तो कभी तेज बारिश ने किसानों के फसलों को नुकसान पहुंचा दिया। तेज बारिश और हवाओं से गेहूं, चना, सरसों, की फसलों में बारिश के बीच नुकसान हुआ। गलन भरी सर्दी के कारण ग्रामीण दिन भर ऊनी कपड़ों में लिपटे रहे। गांव की चौपालों, चाय की थड़ियों और होटलों पर लोग अलाव तापकर सर्दी से बचाव करते देखे गए।

नाथद्वारा सराय झूलेलाल मन्दिर में सिंधी समाज ने मनाया फाल्गुन चंड्र

स्मार्ट हलचल|भीलवाड़ा

बुधवार शाम को शहर के नाथद्वारा सराय स्थित झूलेलाल सनातन मन्दिर में धर्म और संस्कृति का संगम देखने को मिला।

सिंधी समाज के मीडिया प्रभारी मूलचंद बहरवानी ने बताया कि पूज्य हेमराज मल साहब सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित इस अवसर पर सिंधी समाजजन भजन-कीर्तन पर भाव और श्रद्धा से नाच कर झूम उठे।

महंत टेऊंराम भगत ने उत्सव की शुरूआत साई झूलेलाल की स्तुति से की फिर पप्पू भगत, हेमंत भगत, नवीन भगत और सीमा भगत ने भी जली जोली अथम झूलेलाल ते..., मुहिन्जे झूलण झूलेलाल ते जेको अखो पाईन्दो... हिन पिड़ में

जेको झोली जले... , अलाए जे छा में राजी आ अलाए जे कहिंसा राजी आ... जैसे भक्ति से भरपूर भजन गाए।

कार्यक्रम में पंजड़ों का गायन, पवित्र ज्योत जगाई गई फिर समाज जनों ने पुष्प वर्षा सहित पारंपरिक छेज भी खेला भी आयोजित किए गए।

बाद में महाआरती और पल्लव अरदास कर समाज व देश की खुशहाली की कामना की गई।

इस दौरान संस्थाध्यक्ष गुलशन कुमार विधानी, महेश नथरानी, सतीश मोनानी, रामचंद्र खोतानी, गौ भक्त किशोर लखवानी,भगवंती भगत, महेश खोतानी, राजकुमार ठारवानी, चंद्रप्रकाश तुल्सानी, कविता फतनानी, सरला खोतानी, नानक जेठानी, चीजनदास धर्मुमल, फतनानी, कोमल फतनानी ताराचंद ओडवानी, जितेंद्र मोटवानी, दर्शन आसवानी, कालू भगत, आवतराम फगनानी, कोमल चावला, अशोक केवलानी, भारती भगत, विद्या फुलवानी, मीरा फतनानी, सपना झुरानी, नत्थुमल फुलवानी, लेखराज सहित कई श्रद्धालु उपस्थत थे। अंत में श्रद्धालुओं में स्वादिष्ट प्रसादी वितरित की गई।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में मान्यता विवाद के बीच हिंसक झड़प

स्मार्ट हलचल | गंगरार

मेवाड़ विश्वविद्यालय में एएनएम और जीएनएम नर्सिंग पाठ्यक्रम की मान्यता को लेकर चल रहा विवाद अब उग्र रूप ले चुका है। मंगलवार देर रात छात्र आंदोलन के बीच परिसर में दो गुटों के बीच झड़प, हंगामा और तोड़फोड़ की घटना हुई, जिसमें छह छात्र घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दो अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मेस में बवाल और तोड़फोड़

जानकारी के अनुसार, मान्यता की मांग को लेकर पिछले कई दिनों से चल रहे आंदोलन के दौरान मंगलवार रात छात्रों के दो गुट आमने-सामने आ गए। विवाद बढ़ने पर मेस परिसर में हंगामा हुआ। कांच की खिड़कियां, गमले और अन्य सामान तोड़ दिए गए। स्थिति तनावपूर्ण होने पर पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा और परिसर में अतिरिक्त बल तैनात किया गया।

घटना में छह छात्र घायल हुए, जिन्हें तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।

प्रशासन की त्वरित कार्रवाई

बुधवार सुबह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरिता सिंह सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। जिलेभर से पुलिस उपाधीक्षक,

निरीक्षक और उपनिरीक्षकों सहित लगभग 500 पुलिसकर्मियों को सुरक्षा व्यवस्था के लिए तैनात किया गया। अधिकारियों ने छात्रों से संवाद कर शांति बनाए रखने की अपील की।

दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज

घटना के बाद पुलिस ने दो प्रकरण दर्ज किए हैं।

पहला मामलाः गंगरार निवासी राकेश पुत्र नंद गिरी ने शिकायत दी कि कुछ छात्रों ने मेस बंद कर अव्यवस्था फैलाई और माहौल तनावपूर्ण बनाया।

दूसरा मामलाः रायबरेली निवासी छात्र अभिषेक सिंह ने आरोप लगाया कि कुछ छात्रों ने उनके साथ मारपीट की, तोड़फोड़ की और सरिए से हमला किया। दोनों मामलों में पुलिस ने जांच प्रारंभ कर दी है।

मान्यता को लेकर गहराता असंतोष

मूल विवाद नर्सिंग कोर्स (एएनएम और जीएनएम) की मान्यता को लेकर है। विश्वविद्यालय ने तीन वर्ष पूर्व मान्यता के लिए आवेदन किया था, जो अब तक सरकार स्तर पर लंबित है। छात्रों का कहना है कि उनके कोर्स की अवधि समाप्त होने में मात्र छह माह शेष हैं। यदि समय पर मान्यता और परीक्षा नहीं हुई तो उनका एक वर्ष व्यर्थ हो जाएगा।

अनशन पर बैठे छात्र-छात्राओं का आरोप है कि विश्वविद्यालय प्रबंधन जानबूझकर असल मुद्दे से ध्यान भटका रहा है। उनका कहना है कि छात्रों को दो गुटों में बांटकर 'फूट डालो और राज करो' की नीति अपनाई जा रही है, ताकि मान्यता और डिग्री से जुड़े प्रश्न दब जाएं।

छात्रों ने आशंका जताई है कि यदि मान्यता नहीं मिली तो उनकी डिग्री का कोई मूल्य नहीं रहेगा और उनका भविष्य संकट में पड़ सकता है। उन्होंने राज्य सरकार से शीघ्र हस्तक्षेप कर मान्यता प्रक्रिया पूरी कराने की मांग की है।

समझाइश और अस्थायी राहत

प्रशासनिक अधिकारियों ने अनशन कर रहे छात्रों को समझाकर भोजन करने का आग्रह किया। कुछ छात्रों ने पुलिस सुरक्षा में भोजन किया, जबकि कुछ ने अनशन जारी रखा।

तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए अन्य संकायों के कई छात्र घर लौट गए हैं। आगामी रमजान और होली को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों को अस्थायी रूप से घर जाने की अनुमति दी है।

प्रबंधन और प्रशासन का पक्ष

विश्वविद्यालय प्रबंधन का कहना है कि मान्यता प्रक्रिया सरकार स्तर पर लंबित है और उसे शीघ्र पूर्ण कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं जिला प्रशासन ने दावा किया है कि स्थिति नियंत्रण में है और मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है।

युवा शक्ति का संकल्प - 15,000 वैश्य मित्र, सशक्त वैश्य समाज

प्रजातंत्र में राजनीतिक एवं प्रशासनिक क्षेत्रों में उसी संगठन का महत्व, प्रभाव और सम्मान स्थापित होता है

स्मार्ट हलचल|भीलवाड़ा

भीलवाड़ा जिले में अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन युवा शाखा द्वारा 15,000 वैश्य मित्र बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस महत्वाकांक्षी अभियान के माध्यम से वैश्य समाज को संगठित, जागरूक एवं प्रभावी स्वरूप देने की दिशा में ठोस पहल की गई है।

डिजिटल सदस्यता अभियान की शुरुआत

इसी उद्देश्य से Primary Membership App के माध्यम से सदस्यता अभियान को गति देने एवं उसे तहसील स्तर तक प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने हेतु एक महत्वपूर्ण जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों ने डिजिटल सदस्यता अभियान को

सक्रिय करते हुए मोबाइल ऐप के माध्यम से सदस्य जोड़ने की प्रक्रिया प्रारंभ की। उपस्थित सभी वरिष्ठजनों ने स्वयं अपना डिजिटल रजिस्ट्रेशन कर 'वैश्य मित्र' बन इस कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत करने की घोषणा की। यह पहल संगठन को तकनीकी रूप से सशक्त, पारदर्शी एवं परिणाममुखी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

रणनीतिक निर्णय

युवा संभाग अध्यक्ष देवेन्द्र डाणी ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में निम्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर कार्ययोजना तय की गई– 1 सदस्यता अभियान को तहसील स्तर तक विस्तार देना 2 प्रत्येक सक्रिय सदस्य को न्यूनतम 100-100 सदस्य जोड़ने की जिम्मेदारी देना 3डिजिटल सदस्यता प्रणाली को सुव्यवस्थित एवं परिणाममुखी बनाना 4 ढ्ढङ्कस्न को देश का सर्वाधिक सदस्य संख्या वाला प्रभावी संगठन बनाने का संकल्प

मीडिया प्रभारी मनीष बम्ब के अनुसार इस अवसर पर प्रदेश मंत्री कल्पेश चौधरी, जिला अध्यक्ष रामेश्वर लाल काबरा, महिला संभाग अध्यक्ष मधु जाजू, युवा संभागीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार डाणी, महिला प्रदेश मंत्री आरती कोगटा,जिला महामंत्री ललित अग्रवाल सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। वरिष्ठजनों की गरिमामयी उपस्थिति ने अभियान को नई ऊर्जा, स्पष्ट दिशा एवं संगठनात्मक मजबूती प्रदान की।

जिला संयोजक एवं विधानसभा प्रभारी नियुक्त

युवा अध्यक्ष अंकित सोमाणी ने संभाग अध्यक्ष दामोदर अग्रवाल के निर्देशन तथा प्रदेश मंत्री कल्पेश चौधरी, जिलाध्यक्ष रामेश्वर काबरा एवं संभाग अध्यक्ष देवेंद्र डाणी की सहमति से सदस्यता अभियान का जिला संयोजक हर्ष राठी को नियुक्त किया।साथ ही 7 विधानसभा क्षेत्रों में प्रभारी नियुक्त किए गए

भीलवाड़ा विधानसभा - जितेंद्र बांठिया, शाहपुरा विधानसभा - मितेश सोडाणी, जहाजपुर विधानसभा - हर्षिल नागौरी, मांडल विधानसभा - त्रिदेव मूंदड़ा, गंगापुर-सहाड़ा विधानसभा - एडवोकेट सुनील चिपड़, मांडलगढ़ विधानसभा - योगेश हेड़ा, आसींद विधानसभा-सचिन काबरा,

सभी पदाधिकारियों ने संगठित शक्ति के माध्यम से वैश्य समाज को सशक्त, प्रभावी एवं निर्णायक भूमिका में स्थापित करने का सामूहिक संकल्प लिया।यह अभियान केवल सदस्य संख्या बढ़ाने का प्रयास नहीं, बल्कि वैश्य समाज को सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक रूप से मजबूत बनाने की एक संगठित रणनीति है।

तुषार मेहता ने सहायक आचार्य वनस्पति शास्त्र में मेरिट में 30 वीं रैंक हासिल की

स्मार्ट हलचल|उदयपुर

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के वनस्पति शास्त्र विभाग मे शोधार्थी हाल उदयपुर निवासी तुषार मेहता (मूल निवासी कराकला सलूंबर) ने हाल ही राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक आचार्य -वनस्पति शास्त्र (असिस्टेंट प्रोफेसर -बॉटनी विषय) में सफल अभ्यर्थी की मेरिट में 30 वीं रैंक प्राप्त की । मेहता ने लिखित परीक्षा में सफलता के बाद निर्णायक परीक्षा-साक्षात्कार की तैयारी में सफलता दिलाने का श्रेय विप्र फाउंडेशन के शिक्षा ,रोजगार एवम प्रतियोगी परीक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ.एच.आर.दवे को दिया । जिन्होंने अप्रैल 2025 से मॉक इंटरव्यू की गहन एवं सटीक तैयारी करवाई व इंटरव्यू की बारिकिया भी सिखाई। डॉ.दवे के अथक प्रयास, निःशुल्क एवं निःस्वार्थ समाज सेवा भावना ने तुषार को आगे बढ़ने हेतु प्रोत्साहित किया।

शिक्षा ,रोजगार एवम प्रतियोगी परीक्षा प्रकोष्ठ के मीडिया प्रभारी गोपाल मेहता मेनारिया बताया कि तुषार की इस सफलता का सफर बहुत कठिन रहा । इस हेतू बचपन से ही अनेक त्याग,संघर्ष व अभावो के साथ समझौते से गुजरना पड़ा। अनेक इच्छाओं को मार लक्ष्य के प्रति समर्पण भाव ने उच्च शिक्षा सेवा के इस मुकाम पर पहुंचाया।तुषार ने बताया किइस सफलता का श्रेय मेरी मां को भी देता हूं जिन्होंने एकल महिला होते हुए भी परिवार की कमान कई तूफ़ाँ के बावजूद थामे रही तथा पारिवारिक संघर्ष और कम आमदनी के बावजूद मुझे हमेशा उच्च अध्ययन के लिए प्रेरित करती रही ,साथ ही छोटी बहन ने भी छोटी होते हुए भी परिवार के सारे कर्त्तव्य निभाते हुए मुझे अपार सहयोग दिया । उन्होंने जीवन के बुरे वक़्त में संभालने के लिए अपनी नानी को भी धन्यवाद दिया।

श्री रामकृष्ण परमहंस की 190 वीं जयंती का भावभीना आयोजन

स्मार्ट हलचल|उदयपुर

सनातन परम्परा के दिव्य दृष्टा श्रीरामकृष्ण परमहंस का आविर्भाव ऐसे काल में हुआ था जब धर्म के नाम पर नाना प्रकार के भ्रम, भेदाभेद एवं विवादों से समाज ग्रसित था, तत्कालीन उथल-पुथल की शताब्दी में सबसे बड़े मार्ग दर्शक के रूप में उपस्थित होकर उन्होंने जीवात्मा से परमात्मा तक पहुंचने की जानकारी ही नहीं दी अपितु वहां तक पहुंचने के मार्ग को सहज और सरल बना कर दिखाया। आज व्यवसाय वृत्ति के दौर में मानव सुख की लिप्सा में भटकते हुए आत्मा का स्पंदन खो बैठा है,ऐसे में युग दृष्टा रामकृष्ण परमहंस द्वारा दिखाया गया मार्ग हमें सर्व कल्याणकारी भविष्य से आश्वस्त करता है। उक्त विचार आज रामकृष्ण परमहंस की जयंती के अवसर पर शान्तिपीठ संस्थान के विस्तार कार्य क्रम एवं निम्बार्क शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के साझे में महाविद्यालय के सभागार में 'आध्यात्मिक चेतना के प्रेरक श्रीरामकृष्ण परमहंस' विषयक सत्संग - संगोष्ठी में कई वक्ताओं ने व्यक्त किए।

प्रमुख वक्ता के रूप में बोलते हुए मो सु विश्वविद्यालय में संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ नीरज शर्मा ने कहा कि भारत भूमि में पूर्ण स्वाधीनता है कि हम अपना रूपांतरण कर सकें और शुद्ध चैतन्य से परमात्मा तक पहुंच सकें। वेदों से प्रारंभ बहुआयामी भारतीय ज्ञान परम्परा हमारे संस्कारों में समाहित है और इसीलिए समय समय पर देवत्व को प्राप्त भारत के भाग्य विधाता का आविर्भाव होता है। उन्होंने कहा कि दर्शन का अभिप्राय तत्व दृष्टि

है,सत्य नित्य है और इसमें विकार नहीं है। रामकृष्ण सत्य का दिग्दर्शन है। उन्होंने सोहम(वही मैं हूं) की दार्शनिक विवेचना करते हुए कहा कि यह मनुष्य को उसकी अनंत क्षमताओं से बोध कराता है और यही उपक्रम शिक्षकों द्वारा साधा जाय तो वह छात्रों को भीतर छिपी ईश्वरीय ज्योति को जाग्रत कर सकता है।

शान्तिपीठ के संस्थापक अनन्त गणेश त्रिवेदी ने परमहंस को पिछले तीन हजार वर्षों की आध्यात्मिक साधना का प्रतिफल बताते हुए कहा कि क्षणातीत जीवन जीने वाले योगी भक्त परमहंस देव ने मानव मात्र की मुक्ति का मार्ग प्रशस्त किया और हम इसी राज मार्ग से चलकर विश्व शान्ति के लक्ष्य को अर्जित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि तत्कालीन समय में सामाजिक परिवर्तन के कई आन्दोलन चल रहे थे, चाहे ब्रह्म समाज, आर्य समाज अथवा प्रार्थना समाज हो रामकृष्ण ने इसे समन्वयकारी आध्यात्मिक आधार दिया। असल में वे ईश्वर तक पहुंचने के सारे आयामों के समन्वयकारी होने के साथ ही श्रुति और स्मृति,ज्ञान विज्ञान,परा अपरा के शीर्ष समन्वयक थे।

अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ सुरेन्द्र द्विवेदी ने परमहंस के अनेक जीवन प्रसंगों को साझा करते हुए कहा कि रामकृष्ण सर्व धर्म समभाव का संदेश हैं। उन्होंने कहा कि हमारी ज्ञान परम्परा नित्यता और एकत्व की दिशा को प्रशस्त करती है।

अतिथियों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ हनुमान सहाय शर्मा ने रामकृष्ण और विवेकानंद का दर्शन सर्वकालिक प्रासंगिक एवं नित नूतन बताया। उन्होंने युवाओं के चरित्र गठन की आवश्यकता पर बल दिया।

बी एन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ कमल सिंह राठौड़ ने कहा कि रामकृष्ण की दीक्षा का प्रतिफल विवेकानंद ने सारे जगत को भारतीय अध्यात्मिक विरासत से आलोकित किया तथा दिव्य परम्पराओं से अवगत कराया। साथ ही डॉ राठौड़ ने शान्तिपीठ की ओर से सभी का आभार व्यक्त किया। प्रारंभ में प्रशिक्षणार्थी छात्राओं ने सरस्वती वंदना के साथ ही वेद मंत्रों का पाठ किया। संगोष्ठी का संचालन डॉ भारती दशोरा ने किया। इस अवसर पर पूर्व वन संरक्षक ओंकार लाल मेनारिया,कवि श्रेणी दान चारण के साथ ही महाविद्यालय संकाय के सदस्य, प्रबुद्ध नागरिक एवं बड़ी संख्या में प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे। वंदेमातरम् राष्ट्र गान से समापन हुआ।

अवैध शराब की दुकान हटवाने के लिए ग्रामीणों ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल|करौली

अवैध शराब की दुकान हटवाने के लिए ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन सौंपा जिसमें पुरानी बस्ती चिनायटा में भागमल पुत्र मंझोली जाटव द्वारा अवैध शराब की दुकान खोलने की शिकायत की गई है। ज्ञापन में बताया गया है कि यह दुकान सुबह 7 बजे से रात 9 बजे तक खुली रहती है, जिससे स्कूली छात्र-छात्राओं और महिलाओं के लिए रास्ते से आना-जाना मुश्किल हो गया है और शराबियों द्वारा शराब पीकर शोर, गाली-गलौज और चोरी जैसी घटनाएं बढ़ गई हैं।

ज्ञापन में निवेदन किया गया है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए अवैध शराब की दुकान को हटाया जाए ताकि भविष्य में किसी प्रकार की अप्रिय घटना न घट सके। इस अवसर पर वीरेंद्र, यादराम, उदयराम, महेंद्र, अतर सिंह, सुभाष, विसन्या,कौशल, भाग सिंह, गोपाल, रमेश, रुपन, रामगोपाल, रामनिवास, अंगूरी, ढकेली, मुन्नी, मनसुखी, सोनी, राजपाल एव समस्त ग्रामीण उपस्थित रहे।

बोली नहीं लगाने के कारण फिर नहीं हुई 70 बीघा चारागाह भूमि में खड़ी फसल की नीलामी

तीसरी बार भी प्रशासन नहीं कर पाया फसल की नीलामी

स्मार्ट हलचल|सूरौठ

गांव रीझवास में 70 बीघा चारागाह भूमि में खड़ी सरसों एवं गेहूं की फसल की नीलामी तहसील प्रशासन तीसरी बार भी नहीं कर पाया। बुधवार को तहसील परिसर में राजस्व विभाग की टीम ने तीसरी बार नीलामी की प्रक्रिया शुरू की लेकिन किसी भी ग्रामीण ने पहले की तरह इस बार भी बोली नहीं लगाई जिसके कारण फसल की नीलामी नहीं हो सकी। हालांकि नीलामी प्रक्रिया के दौरान सैकड़ो ग्रामीण तहसील परिसर में मौजूद रहे। गौरतलब है कि इससे पहले तहसील प्रशासन दो

बार और नीलामी की प्रक्रिया कर चुका था लेकिन बोली नहीं लगाए जाने के कारण नीलामी नहीं हो सकी थी।तहसीलदार संजीव धाकड़ एवं गिरदावर रामकेश भागौड ने बताया कि सूरौठ तहसील के गांव रीझवास में खसरा नंबर 1260 की करीब 70 बीघा चारागाह भूमि पर 25 ग्रामीणों ने अतिक्रमण कर सरसों एवं गैंहू की फसल बो रखी है। इस मामले में तहसील प्रशासन ने पिछले दिनों अतिक्रमण करने वाले लोगों के खिलाफ 91 की कार्रवाई करते हुए फसल की नीलामी के आदेश जारी किए थे। तहसील प्रशासन ने पहले 3 फरवरी को रीझवास की 70 बीघा चारागाह भूमि में खड़ी फसल की तहसील कार्यालय में नीलामी करने के आदेश जारी किए थे। 3 फरवरी को किसी भी ग्रामीण की ओर से बोली नहीं लगाए जाने के कारण तहसील प्रशासन ने फसल की नीलामी के लिए 13 फरवरी की तिथि तय की थी। 13 फरवरी को भी किसी ग्रामीण ने बोली नहीं लगाई । इसके पश्चात तहसील प्रशासन ने चारागाह भूमि में खड़ी फसल की नीलामी के लिए 18 फरवरी की तिथि निश्चित की थी। बुधवार को तहसील प्रशासन ने सुबह 11 बजे फसल की नीलामी की प्रक्रिया शुरू की। नीलामी की प्रक्रिया के दौरान तहसीलदार संजीव धाकड़, गिरदावर रामकेश भागौड, पटवारी श्याम सिंह सोलंकी सहित करीब करीब सैंकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे। शाम 5 बजे तक किसी भी ग्रामीण ने बोली नहीं लगाई जिसके कारण बुधवार को भी फसल की नीलामी नहीं हो सकी।

हिन्दुस्तान जिंक की पहल से आस पास के क्षेत्र के युवक युवतियों को मिलेगा सुनहरा अवसर, प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग का शुभारंभ

स्मार्ट हलचल

शंभूपुरा। हिन्दुस्तान जिंक, वेदांता ग्रुप के तत्वावधान में चित्तौडगढ़ के आसपास ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल की गई है। इसके तहत विभिन्न सरकारी नौकरियों की प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी कराने की योजना का शुभारंभ किया गया। इस योजना को लेकर विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला और बड़ी संख्या में युवाओं ने भागीदारी दिखाई। चित्तौडगढ के आस पास के क्षेत्र के गांव बिलिया, नगरी, अजोलिया का खेड़ा, पुठोली, चैगावाड़ी, सालेरा, भवानीपुरा, रोलाहेडा, गणेशपुरा, काशमोर, धनेत कलां, बोदियाना, सतपुड़ा, कंथारिया एवं अन्य गांवों के छात्र सरकारी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए उत्सुकता से प्रतिभागिता कर रहे है।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथियों चैगावाड़ी प्रशासक बहादुर सिंह राणावत, नगरी प्रशासक देवकिशन रैगर, सतपुड़ा राजेंद्र सिंह, अनुष्का ग्रुप से भूपेश परमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने विद्यार्थियों को बैग एवं मासिक करेंट अफेयर्स पत्रिका अनुष्का टाइम्स

वितरित की।

सीएसआर हेड सुंदरराज ने विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के लिए शुभकामनाएं दी तथा इस कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए अनुष्का ग्रुप की सराहना की। सुंदर राज ने अपने संबोधन में विद्यार्थी जीवन में अथक परिश्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संसाधनहीन बचपन का उदाहरण देते हुए कहा कि निरंतर मेहनत और मजबूत संकल्प से व्यक्ति जीवन में ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है।

कार्यक्रम के दौरान अनुष्का ग्रुप के भूपेश परमार ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि यह 100 दिवसीय योजना चंदेरिया क्षेत्र के युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि अनुष्का ग्रुप पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ विद्यार्थियों को आगामी तीन माह तक गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

इस अवसर पर हिन्दुस्तान जिंक चंदेरिया की सीएसआर टीम के एम गौरी, बुन्तु ओजस्विनी तथा अनुष्का ग्रुप से श्याम सुंदर नारानीवाल, दिलीप जैन, नीरज मौड़, शिव , अरुण माली, कृतिका शर्मा, गिरजा साल्वी, हिम्मत सिंह और गणेश देवासी सहित चंदेरिया परिधि क्षेत्र के 150 से अधिक युवा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नारायणपुर में बिजली विभाग का करंट, तीन पंचायतों की प्यास पर लगा ताला, 13 हजार की आबादी बूंद-बंद को मोहताज

स्मार्ट हलचल

नारायणपुर। उपखंड क्षेत्र की तीन ग्राम पंचायत मुण्डावरा, अजबपुरा और कोलाहेडा में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब बिजली विभाग ने बकाया बिल का हवाला देते हुए करीब आठ ट्यूबवैल के बिजली कनेक्शन काट दिए। अचानक हुई इस कार्रवाई से क्षेत्र की पेयजल व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई और लगभग 13 हजार की आबादी के सामने पानी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। दोपहर करीब दो बजे बिजली विभाग की टीम ने यह कार्रवाई की, जिसके बाद ग्रामीण इलाकों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोगों में प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त हो गया। अजबपुरा पंचायत की प्रशासक प्रियंका नरुका ने बताया कि यहां की दो ट्यूबवैल के कनेक्शन काट दिए जाने से करीब 6 हजार लोग प्रभावित हुए हैं। गांव के अधिकांश परिवार नल कनेक्शन के माध्यम से ही पेयजल प्राप्त करते हैं और वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होने से हालात चिंताजनक बन गए हैं। वहीं समाजसेवी रोहिताश सैनी ने मुण्डावरा की स्थिति को गंभीर बताते हुए कहा कि यहां की दो ट्यूबवैल बंद होने से लगभग 5 हजार लोगों को पानी नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों को मजबूरी में दूर-दराज के स्त्रोतों से पानी लाना पड़ रहा है। कोलाहेडा पंचायत में भी हालात बेहतर नहीं हैं। प्रशासक प्रतिनिधि राजेंद्र यादव के अनुसार यहां चार ट्यूबवैल के कनेक्शन काटे जाने से करीब 2 हजार लोग पेयजल से वंचित हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बिना पूर्व सूचना के की गई कार्रवाई ने उन्हें असमंजस में डाल दिया है। मुण्डावरा निवासी जगदीश

प्रसाद सहित अन्य उपभोक्ताओं ने सवाल उठाया है कि ग्रामीण तो अपने नल कनेक्शन का बिल नियमित रूप से जलदाय विभाग को जमा करा रहे हैं, फिर भी विभाग बिजली बिल का भुगतान क्यों नहीं कर रहा। ग्रामीणों का आरोप है कि विभागीय समन्वय की कमी का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। इस मामले में जलदाय विभाग के एईएन रामकेश प्रजापत ने बताया कि संबंधित ट्यूबवैल जल जीवन मिशन के तहत लगाए गए हैं और उनका भुगतान जलदाय विभाग नहीं करता। जबकि बिजली का बिल जेजेएम पीएचडी एईएन के नाम से आता है, दूसरी ओर बिजली विभाग के जेईएन धर्मेंद्र कोली ने स्पष्ट किया कि इन तीनों पंचायतों पर पिछले दो वर्ष से लगभग 10 लाख रुपये का बिजली बिल बकाया चल रहा है। कई बार नोटिस देने के बावजूद भुगतान नहीं होने पर नियमानुसार कनेक्शन काटने की कार्रवाई की गई है। पेयजल आपूर्ति ठप होने से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही पेयजल सेवा बहाल नहीं की गई तो वे बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे। वर्तमान में नल कनेक्शन ही उनके लिए पानी का एकमात्र सहारा हैं और ऐसे में विभागों के बीच तालमेल की कमी से आमजन को संकट झेलना पड़ रहा है। प्रशासन से अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि वह इस गंभीर समस्या का समाधान कब तक निकालता है।

उपखण्ड अधिकारी ने किया आंगनवाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण

अनियमितताएं पाए जाने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही के दिये निर्देश

स्मार्ट हलचल|ओम जैन

शंभूपुरा। चित्तौड़गढ़ उपखण्ड अधिकारी बीनू देवल ने बुधवार को चित्तौड़गढ़ (शहर) परियोजना के अंतर्गत संचालित आंगनवाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण किया गया।

बाल विकास परियोजना अधिकारी मनीष मेघवाल ने बताया कि निरीक्षण के दौरान उपखण्ड अधिकारी ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से विभागीय योजनाओं की प्रगति, बच्चों की उपस्थिति तथा पोषाहार वितरण की स्थिति की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी केन्द्र संख्या 34 (द्वितीय) एवं 33 (प्रथम) में विभागीय कार्यों की प्रगति संतोषजनक नहीं पाई गई तथा कई अनियमितताएं सामने आईं। इस पर उपखण्ड अधिकारी ने संबंधित कार्मिकों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई किए जाने के निर्देश बाल विकास परियोजना अधिकारी को

दिए। साथ ही निरीक्षण के दौरान संबंधित महिला पर्यवेक्षक सम्पत शर्मा को अपने सेक्टर के आंगनवाड़ी केन्द्रों की कार्यप्रणाली में सुधार लाने हेतु पाबंद किया।

उपखण्ड अधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों पर बच्चों की उपस्थिति, पोषाहार वितरण एवं अभिलेखों का संधारण नियमानुसार सुनिश्चित किया जाए, जिससे पात्र लाभार्थियों को समय पर योजनाओं का लाभ मिल सके।

हेमंत कोठारी 'नाकोड़ा जी' का जाना एक युग का अंत

स्मार्ट हलचल|ओम जैन

शंभूपुरा। भाई मात्र 20 रुपये लेकर आया था शंभूपुरा में, जो भी

दिया भगवान ने यही दिया फिर बचाकर कहा रखना है सतकार्यो में अपने हाथ से जितने खर्च हो अच्छा है, यह बात कहा करते थे शंभूपुरा जैन समाज के गौरव ओर समाज सेवा में क्षेत्र ही नही बल्कि पूरे जिलेभर में सबसे अग्रणीय रहने वाले शंभूपुरा नाकोड़ा रेस्टोरेंट के मालिक स्वर्गीय हेमंत जी कोठारी जिन्हें लोग नाकोड़ा सेठ जी के नाम से जानते थे, उनका जाना जैसे क्षेत्र में एक युग का अंत हुआ है।

लम्बी बीमारी के बाद 10 दिन से उदयपुर में उपचाररत कोठारी ने 17 फरवरी मंगलवार को देह त्याग दी, उनके निधन के समाचार देर रात्रि को जैसे ही लोगो को मिले क्षेत्र में शोक की लहर छा गई, रात को ही लोग उनके घर पहुंच गए और अंतिम दर्शन के लिए पार्थिव देह का इंतजार करने लगे। 18 फरवरी बुधवार सुबह उनके अंतिम दर्शन में सेकड़ो लोगो की भीड़ उमड़ पड़ी, हर किसी को उनके जाने का गम था, क्योकि उनका जुड़ाव ना सिर्फ जैन समाज से बल्कि 36 कॉम के हर छोटे बड़े व्यक्ति से था।

सेकड़ो लोग पहुंचे अंतिम संस्कार में

कोठारी के अंतिम दर्शन के बाद सेकड़ो की संख्या में लोग उनके अंतिम संस्कार में शामिल हुए, ऐसा नजारा पहली बार देखने को मिला कि हर कॉम का वहा व्यक्ति था और शंभूपुरा सहित सावा, कन्नौज, पाटनिया, बामनिया, चित्तौड़, निम्बाहेड़ा, नीमच, मंदसौर आदि से सेकड़ो की संख्या में लोग अंतिम संस्कार में शामिल होकर उन्हें श्रदांजिल अर्पित की, इसेसे पता चलता कि कोठारी कितने मिलनसार ओर सरल स्वभावी थे।

जीव प्रेमी थे कोठारी पूरी यात्रा में साथ चला स्वान

कोठारी ना सिर्फ इंसानों से स्नेह रखते बल्कि जीव प्रेमी भी थे, इस बात का पता इसी से चलता कि एक स्वान (कुत्ता) जो उनकी मौत के समाचार से काफी दुखी था जो सुबह उनकी पार्थिव देह के पास ही बैठा रहा, पूरी अंतिम यात्रा में साथ चला पूरे अंतिम संस्कार में वही बैठा रहकर वापस भी अंतिम संस्कार होने के बाद ही सबके साथ घर लौटा ओर आकर घर के बाहर बैठ गया।

दानवीर कोठारी के किस्से सुनाते नजर आए लोग

जैन समाज के गौरव हेमंत कोठारी ना सिर्फ अपनी समाज को सपोर्ट करते थे बल्कि उनके वहाँ चंदे या सहयोग के लिए कोई भी पहुंच जाता अभी किसी को निराश नही करते, किसी को कभी खाली हाथ लौटते वहा से नही देखा गया चाहे कोई भी कार्यक्रम किसी भी सम्प्रदाय का हो, रसीद बुक लेकर कभी उन्होंने पैसा अपने हाथ से नही भरा हमेशा वो कहते आपके हिसाब से भर दो, जो भर देते वो पैसे सरलता के साथ देने के बाद भी कहते कार्यक्रम अच्छा करना कम पड़े तो मैं बैठा हूँ, ऐसे सामाजिक और धार्मिक प्रवृत्ति के कोठारी के जाने से हर कोई दुखी नजर आया।

कही भी धार्मिक कार्य हो भामाशाह में पहला नाम कोठारी का

हेमन्त कोठारी सिर्फ शंभूपुरा में नही बल्कि जिलेभर में इस बात के लिए जाने जाते थे कि कही भी कोई भी धार्मिक कार्यक्रम हो भामाशाह में उनका नाम सबसे पहले आता, चाहे वो शंभूपुरा में हनुमान मंदिर जीर्णोद्धार की बात हो तो उन्होंने सबसे पहले सहयोग राशि लिखवाई, अरनिया पंथ में हनुमान मन्दिर की चारदीवारी निर्माण करवाया, जैन मंदिर या अन्य किसी भी मन्दिर का निर्माण हो या जीर्णोद्धार सभी मे कोठारी ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।

20 साल पहले शुरू हुई खाटू भजन संध्या के कर्णधार रहे कोठारी

शंभूपुरा में खाटू भजन संध्या जो कि करीब 20 साल पहले शुरू हुई थी जब कोठारी नए नए ही आये हुए थे ग्रामीणों ने उनसे इस कार्यक्रम की चर्चा की तो सबसे पहले आगे आये और बोला कि पैसे की कोई चिंता मत करो बाबा का कार्यक्रम करो सब हो जाएगा, यह कहते हुए सबसे पहले उस समय सबसे बड़ा सहयोग करके कार्यक्रम शुरू करवाया और उस दिन से अभी तक हर साल इस कार्यक्रम को हमेशा सबसे ज्यादा सहयोग उनका रहा है, ओर हर कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति रही, यही नही उन्होंने यह भी घोषणा कर रखी थी कि जब भी शंभूपुरा में श्याम मन्दिर का निर्माण होगा मेरी ओर से 2,22,222 रुपये सहयोग राशि लिख लीजिए।

बच्चों से था सबसे ज्यादा प्रेम

कोठारी को बच्चो से काफी लगाव था कोई भी बच्चा उनकी दुकान पर जाता बिना चोकलेट दिए नही जाने देते साथ ही बच्चो से वो हमेशा बहुत अधिक स्नेह रखते थे।

सरल स्वभावी, निर्मल ह्र्दयी पुण्यात्मा थे कोठारी

कोठारी के चहरे पर गुस्सा किसी को कभी देखने को नही मिला वो हमेशा सरल स्वभावी, निर्मल ह्र्दयी ओर पुण्यात्मा रहे है, उनकी होटल पर कोई अनजान भी चला जाता और नाश्ता करने के बाद उसके पास पैसे नही होते तो बोलते कोई बात नही जाओ भगवान का दिया सबकुछ तो है मेरे पास फिर क्या चाइये।

उनकी होटल दूर दराज तक प्रसिद्ध

2002 में शंभूपुरा में आये हेमंत कोठारी ने जीवन के शुरुआती दिनों में काफी संघर्ष किया, पहले नाकोड़ा रेस्टोरेंट किराए की दुकानों में चली, उसके बाद परिश्रम कर खुद के दम पर एक बहुत बड़ी होटल खुद की बनाई, नाकोड़ा रेस्टोरेंट की आसपास ही नही बल्कि दूर दराज तक प्रसिद्धि फैली हुई है लोग चाहे मंदसौर से चलकर आ रहे हो या इधर जयपुर से जो जानते यही सोचकर निकलते की शंभूपुरा में नाकोड़ा पर नाश्ता जरूर करेंगे, उनके यहाँ की शुद्ध मिठाईयां, जामुन, कचोरी चाय सभी हमेशा पूर्ण रूप से स्वच्छता ओर शुद्धता पर खरी उतरी है इसीलिए सबकी पहले पसदं हमेशा नाकोड़ा रेस्टोरेंट रही है, यही वहज रही कि कोठारी को लोग उनके नाम से कम और नाकोड़ा जी के नाम से ज्यादा पहचानने लगे।

गणतंत्र दिवस पर आसपास के सभी स्कूलों में बांटे मिठाई के डिब्बे

गणतंत्र दिवस पर सरकार भी बच्चों को एक या दो लड्डू देकर अतिश्योक्ति कर लेती है लेकिन भामाशाह हेमन्त कोठारी सरकार से भी 4 कदम आगे और बड़े दिल वाले निकले और 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर उन्होंने उनके हाथ से शंभूपुरा के आसपास के दर्जनों स्कूलों में जाकर सेकड़ो मिठाई के डिब्बे बच्चो को देखर गणतंत्र दिवस की खुशियां बच्चो संग मनाई।

शनिमहाराज में जांगिड़ ब्राह्मण समाज की चौखला बैठक आयोजित

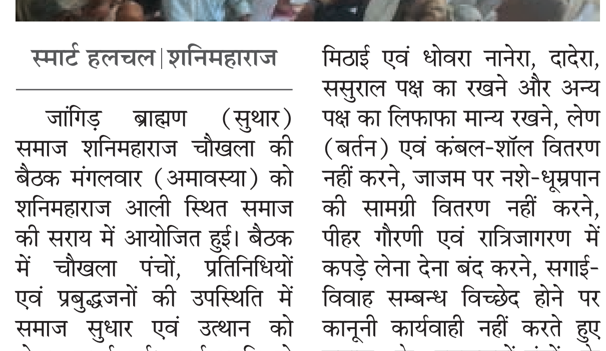

स्मार्ट हलचल|शनिमहाराज

जांगिड़ ब्राह्मण (सुथार) समाज शनिमहाराज चौखला की बैठक मंगलवार (अमावस्या) को शनिमहाराज आली स्थित समाज की सराय में आयोजित हुई। बैठक में चौखला पंचों, प्रतिनिधियों एवं प्रबुद्धजनों की उपस्थिति में समाज सुधार एवं उत्थान को लेकर चर्चा हुई। सर्वसम्मति से समाजहित में निर्णय लिए गए। विवाह में अधिकतम 2 तौला सोना एवं 500 ग्राम चांदी के आभूषण बनाने, विवाह एवं अन्य मांगलिक एवं प्रसादी कार्यक्रम में डीजे और बैंड नहीं बजाने, विवाह में दूल्हे के दाढ़ी नहीं रखने, आशीर्वाद समारोह नहीं करने, समाज के युवक-युवतियों का गैर समाज में विवाह नहीं कराने, मृत्यभोज में एक मिठाई एवं धोवरा नानेरा, दादेरा, ससुराल पक्ष का रखने और अन्य पक्ष का लिफाफा मान्य रखने, लेण (बर्तन) एवं कंबल-शॉल वितरण नहीं करने, जाजम पर नशे-धूम्रपान की सामग्री वितरण नहीं करने, पीहर गौरणी एवं रात्रिजागरण में कपड़े लेना देना बंद करने, सगाई-विवाह सम्बन्ध विच्छेद होने पर कानूनी कार्यवाही नहीं करते हुए समाज के प्रबुद्धजनों-पंचों के समक्ष निर्णय करने का नियम बनाया गया। सर्वसम्मति से बने समाजहित में उक्त नियम-निर्णय को शनिमहाराज चौखला क्षेत्र में अनुमोदन कर तत्काल प्रभाव से लागू किए गए। समाज उत्थान के मुख्य उद्देश्य से बैठक का आयोजन हुआ। सामाजिक रस्में सादगीपूर्ण करने एवं फिजूलखर्ची पर रोक लगाने पर जोर दिया गया।

मेड़ता सिटी में मूंग खरीद पर बवाल: राजफेड केंद्रों पर किसानों का विरोध तेज

23-25 फरवरी को बड़े आंदोलन की तैयारी

स्मार्ट हलचल

मेड़ता सिटी। न्यूनतम समर्थन मूल्य (रूस्क्र) पर मूंग की खरीद में हो रही देरी और गुणवत्ता के नाम पर हो रहे 'रिजेक्शन' के विरोध में किसानों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है।'छ्रस्न्रश्वष्ठ (राजफेड) के खरीद केंद्रों पर किसान लगातार धरना दे रहे हैं। उनका आरोप है कि तुलाई के लिए स्लॉट कम दिए जा रहे हैं और वेयरहाउस में माल उतारने की प्रक्रिया अत्यधिक जटिल है, जिसके कारण कई किसान पिछले 8-10 दिनों से ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में अपनी उपज लेकर इंतजार कर रहे हैं।

मूंग खरीद में गतिरोध, 'रिजेक्शन' पर सवाल

किसानों का कहना है कि गुणवत्ता जांच के नाम पर फसल को खारिज किया जा रहा है, जबकि उपज मानकों के अनुरूप है। देरी के कारण मंडी परिसर में लंबी कतारें लग रही हैं। बढ़ती धूप और बदलते मौसम के बीच खुले में खड़ी उपज खराब होने का खतरा भी किसानों को सता रहा है। किसान संगठनों ने मांग की है कि: तुलाई के लिए प्रतिदिन आवंटित स्लॉट की संख्या बढ़ाई जाए, गुणवत्ता जांच प्रक्रिया पारदर्शी और मानकीकृत की जाए, वेयरहाउस में माल उतारने की व्यवस्था सरल व तेज की जाए।

प्रशासन से वार्ता की कोशिशें

स्थानीय प्रशासन का कहना है कि खरीद प्रक्रिया को सुचारु बनाने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती और स्लॉट प्रबंधन में सुधार पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, किसानों का आरोप है कि जमीनी स्तर पर अभी तक ठोस बदलाव दिखाई नहीं दे रहा है।

राष्ट्रीय स्तर पर असर: चौथे दौर की वार्ता आज

इधर, केंद्र सरकार और किसान संगठनों के बीच विभिन्न मांगों को लेकर 18 फरवरी को चौथे दौर की बातचीत प्रस्तावित है। इस वार्ता का असर मेड़ता सहित पूरे उत्तर भारत की मंडियों पर पड़ रहा है। किसान संगठनों का मानना है कि यदि राष्ट्रीय स्तर पर सकारात्मक समाधान निकलता है, तो स्थानीय स्तर पर भी खरीद प्रक्रिया में सुधार की राह खुलेगी।

आगे की रणनीति: 23-25 फरवरी को बड़ा आंदोलन

किसान नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया, तो 23 से 25 फरवरी के बीच बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। इसमें आसपास के गांवों और अन्य मंडियों के किसान भी शामिल हो सकते हैं।

दिनभर तनाव पूर्ण रहा वार्ता का दौर

मेड़ता में बुधवार का दिन प्रशासनिक वार्ताओं, खरीद व्यवस्था की अनिश्चितता और मौसम की चिंता के बीच तनावपूर्ण बना हुआ है। किसानों की निगाहें एक ओर स्थानीय प्रशासन की कार्रवाइयों पर हैं, तो दूसरी ओर राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली वार्ता के नतीजों पर। आने वाले कुछ दिन तय करेंगे कि यह विरोध शांतिपूर्ण समाधान की ओर बढ़ता है या व्यापक आंदोलन का रूप लेता है।

नागौर की पुलिस लाइन में बड़ी वारदात

8 सरकारी क्वार्टरों में सेंध, लाखों की ज्वेलरी और नकदी पार

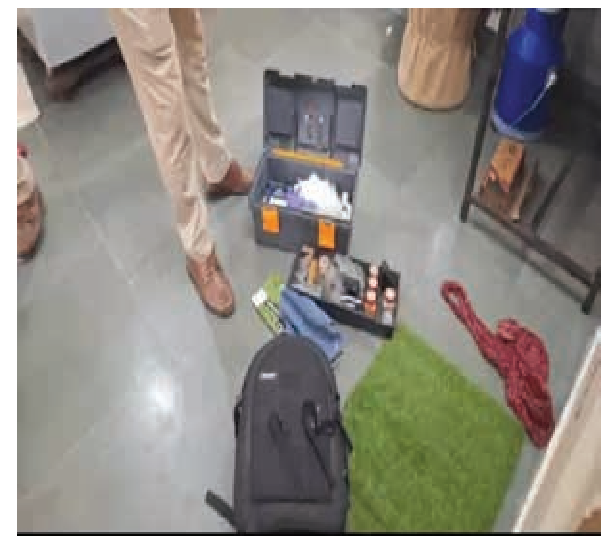

स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड। नागौर शहर की पुलिस लाइन में उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक साथ 8 सरकारी क्वार्टरों में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई। अज्ञात चोर बंद पड़े क्वार्टरों के ताले तोड़कर अंदर घुसे और करीब 7 लाख रुपये की ज्वेलरी तथा लगभग 3 लाख रुपये नकद लेकर फरार हो गए।जानकारी के अनुसार, चोरों ने पहले ऐसे क्वार्टरों की रेकी की, जिनमें ताले लगे हुए थे। इसके बाद उन्होंने सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया। अलमारियों और संदूकों को खंगालकर कीमती जेवरात और नकदी समेट ली।घटना का खुलासा तब हुआ जब संबंधित पुलिसकर्मी ड्यूटी से लौटे और अपने घरों के ताले टूटे हुए देख हैरान रह गए। उन्होंने तुरंत संबंधित थाने में सूचना दी।सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा सहित वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से फिंगरप्रिंट और अन्य साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके।पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

इस घटना ने पुलिस लाइन की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। एक साथ कई क्वार्टरों में चोरी की इस वारदात से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

राहोली में प्लास्टिक मुक्त अभियान की शुरुआत

समझाइश के साथ लगाया प्रतीकात्मक जुर्माना

स्मार्ट हलचल

राहोली। निवाई उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत राहोली के मुख्य बाजार में प्लास्टिक मुक्त राजस्थान के संकल्प के तहत एक महत्वपूर्ण अभियान चलाया गया। विकास अधिकारी नन्दकिशोर शर्मा, सहायक विकास अधिकारी के दिशा-निर्देश नेतृत्व में,राहोली, ग्राम विकास अधिकारी राकेश बैरवा ने राहोली बाजार में दुकानदारों को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने के बारे में समझाया गया और प्रतीकात्मक रूप से जुर्माना भी लगाया गया।

इस अवसर पर ग्रामीणों को प्लास्टिक बेग के स्थान पर कपड़े या जूट का थैला इस्तेमाल करने की शपथ दिलाई गई। विकास अधिकारी ने कहा कि प्लास्टिक का उपयोग हमारे पर्यावरण के लिए बहुत हानिकारक है, इसलिए हमें इसका उपयोग बंद करना होगा। उन्होंने दुकानदारों से अपील की कि वे अपने ग्राहकों को कपड़े या जूट के थैले प्रदान करें और प्लास्टिक का उपयोग न करें।

सहायक विकास अधिकारी कैलाश गुर्जर ने कहा कि यह अभियान चरणबद्ध रूप से चलाया जाएगा और जो भी दुकानदार प्लास्टिक का उपयोग करेगा, उस पर जुर्माना लगाया जाएगा। सरपंच फूला देवी मीणा ने कहा कि ग्राम पंचायत राहोली प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए हम सभी को मिलकर काम करना होगा। इस दौरान ग्राम विकास अधिकारी राकेश बैरवा, कनिष्ठ सहायक ललिता स्वामी और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय घटियाली में 26 छात्राओं को साइकिल वितरण, शिक्षा के प्रति बढ़ाया उत्साह

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय घटियाली में बुधवार को राज्य सरकार की योजना के तहत कक्षा 9वीं की 26 छात्राओं को साइकिलें वितरित की गई। कार्यक्रम में छात्राओं के चेहरे पर उत्साह और आत्मविश्वास झलकता नजर आया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरपंच प्रतिनिधि कालूराम मीणा उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में राजू लाल ने सहभागिता निभाई। कार्यक्रम की

अध्यक्षता स्थानीय प्राचार्य महेश खटाना ने की।

मुख्य अतिथि कालूराम मीणा ने अपने संबोधन में राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए साइकिल वितरण योजना महत्वपूर्ण कदम है। इससे दूर-दराज़ से आने वाली छात्राओं को विद्यालय पहुंचने में सुविधा होगी तथा पढ़ाई के प्रति उनका उत्साह और बढ़ेगा।

प्राचार्य महेश खटाना ने कहा कि शिक्षा ही जीवन की दिशा और दशा बदलने का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने छात्राओं को नियमित अध्ययन कर अपने लक्ष्य निर्धारित करने और विद्यालय व परिवार का नाम रोशन करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ एवं गणमान्य नागरिकों में घीसालाल मीणा, शंकर मीणा, गायत्री धाकड़, योगीराज मीणा, बजरंग जाट, सांवरा राम लोधा, शंकर लाल बुनकर, हनुमंत सिंह राठौड़, कमलेश मीणा, योगेश चंद्र शर्मा सहित कई लोग उपस्थित रहे।

चाकू से गोद मारी भाजपा नेता को गोली, जारी आरोपियों की तलाश

स्मार्ट हलचल

कानपुर। दुकान को लेकर पुरानी रंजश के चलते चाकू से गोदने के बाद भाजपा नेता को गोली मार दी गई।अस्पताल में उसकी हालत समाचार लिखे जाने तक गंभीर बनी हुई है। वहीं पुलिस की चार टीमें फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हैं।

यह घटना रावतपुर थानाक्षेत्र के छपेड़ा पुलिया के पास हुई। यहां मंगलवार की देर रात दुकान की रंजिश में तीन युवकों ने चाकुओं से गोदने के बाद भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष सोनू राठौर की पीठ पर गोली भी मार दी। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। भाजपा युवा मोर्चा का पूर्व जिला उपाध्यक्ष सोनू राठौर नवाबगंज के सिग्नेचर सिटी के पास रहते हैं। मां रज्जो देवी और भाई सौरभ ने बताया कि छपेड़ा पुलिया पर उनकी पूजन सामग्री की दुकान है।

परिजनों द्वारा मौके पर पहुंची पुलिस को दी गई जानकारी केमुताबिक मंगलवार की रात सोनू राठौर रावतपुर में एक शादी समारोह में गए थे। वहां से छपेड़ा पुलिया स्थित दुकान के पास से होकर आ रहे थे। इसी बीच साजन उर्फ रोहित, बाबा लाइट और अभिषेक ने अपने साथियों के साथ उसे जमकर पीटा। गोली मारने के बाद चाकुओं से गोद दिया। पुलिस केमुताबिक उसके शरीर में सात से आठ चाकू के वार मिले हैं। पीठ पर भी गोली लगी है। एडीसीपी कपिल देव सिंह ने बताया दोनों पक्षों के बीच दुकान को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। इसी के चलते मंगलवार की देर रात हमला किया।

एडीसीपी ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार टीमें लगाई गई हैं। घटना की जानकारी पर कई भाजपा नेता भी मौके पर पहुंचे। इस दौरान हंगामे की आशंका को देखते हुए सर्किल का फोर्स तैनात कर दिया गया है। इस बीच डीसीपी पश्चिम एसएम कासिम आबिदी जांच करने मौके पहुंचे और फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश भी दिए।

भेरूंदा पंचायत समिति में पंचायत चुनाव का बिगुल: 31 ग्राम पंचायतों में सजेगी गांव की सरकार

गांवों में तेज हुई पंचायत चुनाव की सरगर्मी, भेरूंदा पंचायत समिति में पहली बार 8 नए सरपंच बनेंगे

स्मार्ट हलचल

क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में पंचायत चुनाव की सरगर्मी अब अपने चरम पर पहुंच गई है। नागौर जिले के भेरूंदा पंचायत समिति के अंतर्गत आने वाली 31 ग्राम पंचायतों में इस बार मतदाता अपने नए सरपंच चुनेंगे। इस बार का चुनाव बेहद खास होने वाला है। क्योंकि क्षेत्र को 8 नए सरपंच मिलने जा रहे हैं। निर्वाचन आयोग की नई व्यवस्था के तहत भेरूंदा क्षेत्र में पंचायतों का दायरा बदला गया है। विकास को गति देने और प्रशासनिक सुगमता के उद्देश्य से नई पंचायतों का सृजन किया गया है। मेहराणा ,गोठड़ा ,सुरपुरा ,ब नवाड़ा,सनेडिया,मोरियाना,नृसिंह बासनी,पिपलिया इन 8 नई ग्राम पंचायतों में पहली बार स्वतंत्र सरपंच पद के लिए मतदान होगा, जिसे लेकर युवाओं और नए चेहरों

में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

गौरतलब है कि लंबे इंतजार के बाद सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के मुताबिक राज्य सरकार को 15 अप्रैल तक पंचायती राज व्यवस्था के चुनाव संपन्न करवाने है। इस प्रक्रिया में राज्य सरकार ने जिला परिषद व पंचायत समितियों का परिसीमन भी कर वार्डों की फाइनल सूची जारी कर दी है। अब अधिक आबादी वाली कई ग्राम पंचायतों में भी वार्डों की संख्या में फेरबदल कर संख्या बढ़ाई गई। इन वार्डों से चुने जाने वाले वार्ड पंच न केवल ग्राम पंचायत की सरकार का हिस्सा बनेंगे, बल्कि भविष्य में सरपंच, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य जैसी बड़ी जिम्मेदारियां निभाकर राजनीति की दिशा भी तय करेंगे।

आरक्षण की लॉटरी पर टिकी नजरें

वार्डों की घोषणा के साथ ही गांव गांव में संभावित प्रत्याशियों की सक्रियता बढ़ गई है। हालांकि अभी निर्वाचन विभाग द्वारा आरक्षण के आधार पर सीटों का निर्धारण किया जाना बाकी है। सामान्य, सामान्य महिला, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित वार्डों की लॉटरी निकलेगी। इसी लॉटरी पर कई दावेदारों की राजनीतिक उम्मीदें टिकी हुई है। हालांकि सरपंच पद के लिए लॉटरी नहीं आने तक सरपंची के दावेदार चुप्पी साधे हुए है।

पंचायती राज चुनाव: फैक्ट फाइल

2011 की जनगणना और प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार भेरूंदा पंचायत समिति ग्रामीण जनसंख्या: 1 लाख 23 हजार कुल ग्राम पंचायत: 31 नई ग्राम पंचायते बनी:8 समिति में ग्राम पंचायतें पुर्नगठित हुई : 23

चौपालों से चाय की दुकानों तक चुनावी चर्चा

गांवों में अब चौपालों, चाय की दुकानों और खेत-खलिहानों तक पंचायत चुनाव की चर्चा आम हो चुकी है। कौन किस वार्ड से मैदान में उतरेगा, किसे किस वर्ग का समर्थन मिलेगा और कौन नए चेहरे राजनीति में कदम रखेंगे इन सवालों पर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। चुनाव को लेकर ग्रामीण सियासत ने रफ्तार पकड़ ली है और आने वाले पंचायत चुनाव गांवों की राजनीति में नई दिशा तय करेंगे।

इस बार वार्डों का निर्धारण पूरी तरह जनसंख्या के अनुपात में किया गया है। जिन ग्राम पंचायतों की आबादी तीन हजार तक है वहां सात वार्ड बनाए गए हैं। इसके बाद प्रति एक हजार की आबादी बढ़ने पर दो-दो वार्ड बढ़ाए गए है। यानी तीन से चार हजार की आबादी वाली पंचायतों में 9 वार्ड, और आगे इसी अनुपात में 11, 13, 15 व उससे अधिक वार्ड तय किए गए हैं। इससे हर पंचायत में संतुलित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है। भेरूंदा पंचायत समिति में ग्रामीण जनसंख्या 1 लाख 23हजार है, उसी के अनुपात में वार्ड का निधारण किया गया है।

-:सहायक विकास अधिकारी नन्दकिशोर टाक

भारत के सहयोग से भूटान में सड़क परियोजना समय से पहले हुई पूरी

स्मार्ट हलचल

थिम्पू। भारत की आर्थिक सहायता से भूटान में चल रही सड़क परियोजना का काम तय समयसीमा से पहले ही पूरा हो गया है। भूटान के भूतल परिवहन विभाग, बुनियादी ढांचा एवं परिवहन मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि समत्से-नोरबुगांग प्रोजेक्ट के तहत दो पैकेज में से एक, यानी समत्से-नोरबुगांग इंडस्ट्रियल रोड पर चौड़ीकरण और ब्लैकटॉपिंग का काम सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। यह काम भारत सरकार से मिली फंडिंग से चल रहा था।

थिम्पू स्थित भारतीय दूतावास ने मंत्रालय के बयान को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया है। इस पोस्ट में मंत्रालय ने कहा प्रोजेक्ट के दायरे में फॉर्मेशन कटिंग, तटबंध बनाना, ड्रेनेज का काम, पुलिया बनाना और पेवमेंट का काम शामिल है। यह प्रोजेक्ट बढ़ते ट्रैफिक वॉल्यूम को एडजस्ट करने के लिए सड़क को चौड़ा करने, राइडिंग क्वालिटी को बेहतर बनाने के लिए पेवमेंट को मजबूत करने और पूरी सड़क सुरक्षा और टिकाऊपन को बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया है।

बयान में कहा गया है यह काम मेसर्स पालधेन नामग्याल कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड ने 201 मिलियन न्गुल्ट्रम के कॉन्ट्रैक्ट अमाउंट पर किया था। प्रोजेक्ट 24 महीने के समय के लिए दिया गया था, जिसे 11 जून 2026 को पूरा करना था। लेकिन, कॉन्ट्रैक्टर ने 2 फरवरी 2026 तक प्रोजेक्ट को हर तरह से सफलतापूर्वक पूरा कर लिया, जिससे सड़क तय समय से लगभग चार महीने पहले ही आम लोगों के लिए खुल गई।

बयान के अनुसार चौड़ाई का काम पूरा होने के साथ, सामत्से-नोरबुगांग इंडस्ट्रियल रोड पर ट्रैफिक कैपेसिटी में काफी सुधार हुआ है, भीड़ कम हुई है और कैरिजवे की चौड़ाई और गाड़ियों की बेहतर मैन्यूवरेबिलिटी के कारण सड़क सुरक्षा बढ़ी है। अपग्रेड हुई इस सड़क से अब भारी गाड़ियों के लिए आसान मूवमेंट और यात्रा का समय कम हो गया है।

बता दें कि भारत अपनी 'पड़ोसी प्रथम' नीति के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, हरित ऊर्जा और बुनियादी ढांचा विकसित करने से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं में भूटान का सहयोग कर रहा है।

दाधीच समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन में आज बजेगी शहनाई

स्मार्ट हलचल | कोटा

दाधीच समाज में आज शहनाई की मधुर ध्वनि गूंजेगी। श्री महर्षि दधीचि छात्रावास समिति, कोटा संभाग द्वारा सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन गुरुवार (फुलेरा दूज) को 'दधीचि मार्ग', कोटड़ी नहर रोड स्थित परिसर में किया जाएगा। आयोजन को लेकर समाज में उल्लास और उत्साह का वातावरण है।

समिति अध्यक्ष रविन्द्र दाधीच ने बताया कि मांगलिक कार्यक्रम प्रातः 8:15 बजे विनायक स्थापना के साथ प्रारंभ होंगे। इसके पश्चात बासन, मंडप एवं यज्ञोपवीत, निकासी, तोरण, पाणिग्रहण संस्कार, आशीर्वाद समारोह एवं विदाई जैसे सभी वैवाहिक संस्कार पारंपरिक वैदिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न कराए जाएंगे।

समिति मंत्री निमेष पुरोहित के अनुसार सम्मेलन में 6 जोड़े हिंदू रीति-रिवाज पद्धति से परिणय सूत्र में बंधेंगे। समाज के वरिष्ठ सदस्य नागेश दाधीच ने जानकारी दी कि कार्यक्रम में 75 वर्ष से अधिक आयु के 140 समाजबंधुओं का सम्मान किया जाएगा। साथ ही आयोजन स्थल पर चिकित्सा सुविधा हेतु मेडिकल कैंप भी लगाया जाएगा, जिससे उपस्थित समाजजनों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए कौशल किशोर दाधीच, दिवाकर दाधीच, चंद्र प्रकाश, एडवोकेट नरेंद्र मोहन,राजेश दाधीच,चेतन दाधीच, नागेश दाधीच, दुष्यंत दाधीच, प्रेम दाधीच,रामकल्याण दाधीच, एवं सुरेश दाधीच सहित समाज के लोगो को दायित्व सौंपे गए हैं। मंच संचालन की जिम्मेदारी नरेंद्र मोहन और नागेश दाधीच निभाएंगे।

इससे पूर्व बुधवार को महिला मंडल द्वारा मेहंदी समारोह का आयोजन किया गया। महिला मंडल की अध्यक्ष स्मिता दाधीच एवं मंत्री अम्बिका दाधीच ने बताया कि समाज की महिलाओं एवं दुल्हनों के लिए स्नेहपूर्वक मेहंदी रचाई गई।

चांद नजर आया: शुरू हुआ बरकतों और इबादतों का पवित्र महीना रमजान

स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड। शहर में बुधवार को जैसे ही रमजान का चांद नजर आने की घोषणा हुई, मुस्लिम समुदाय में खुशी की लहर दौड़ गई। मस्जिदों से ऐलान होते ही लोगों ने एक-दूसरे को मुबारकबाद दी और पूरे इलाके में रौनक बढ़ गई। पवित्र महीना रमजान शुरू होते ही इबादत, रोज़ा और नेकियों का सिलसिला आरंभ हो गया है।रमजान इस्लामी कैलेंडर का नौवां महीना होता है, जिसे रहमत, मग़फिरत और निजात का महीना कहा जाता है। इस दौरान मुस्लिम समुदाय के लोग रोज़ा रखकर अल्लाह की इबादत करते हैं। सुबह सहरी के साथ रोज़ा शुरू होता है और शाम को अज़ान के बाद इफ्तार के साथ खोला जाता है। मस्जिदों में पांच वक्त की नमाज़ के साथ-साथ विशेष तरावीह की नमाज़ का भी आयोजन होता है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं।मुस्लिम मोहल्लों में देर रात तक चहल-पहल देखने को मिल रही है। बाजारों में रौनक बढ़ गई है, खजूर, फल, सेवइयां और अन्य खाद्य पदार्थों की खरीदारी तेज हो गई है। बच्चे, बुजुर्ग और युवा सभी इस महीने की खास तैयारियों में जुटे नजर आ रहे हैं। घरों और मस्जिदों को रोशनी से सजाया जा रहा है, जिससे माहौल पूरी तरह इबादत और उत्साह से भर गया है।धार्मिक विद्वानों के अनुसार, रमजान का महीना आत्मशुद्धि, संयम और भाईचारे का संदेश देता है। इस महीने में जरूरतमंदों की मदद करना, जकात और फितरा अदा करना विशेष महत्व रखता है।

माना जाता है कि इस पवित्र महीने में की गई इबादतों का सवाब कई गुना बढ़ा दिया जाता है। चांद के दीदार के साथ ही एक बार फिर से समाज में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ है। आने वाले दिनों में मस्जिदों में इबादतों का सिलसिला जारी रहेगा और पूरा समुदाय अल्लाह की रहमतें हासिल करने में जुटा रहेगा।

इंसानियत का पैगाम

माहे रमजान की आमद पर मेड़ता सिटी के क़ाज़ी ए शहर मोहम्मद अकरम उस्मानी ने कहा कि रमजान इंसानियत, सब्र और परहेजगारी का महीना है, जो समाज में इंसानियत का पैगाम देता है। यह महीना नेकी की राह पर चलने की प्रेरणा देता है।

रोजे की फजीलत

उन्होंने कहा कि माहे रमजान में रोजा इस्लाम के अहम अरकान में से एक है। रोजा सिर्फ भूख-प्यास से रुकना नहीं, बल्कि अपनी जुबान, निगाह और दिल को भी गुनाहों से बचाने का नाम है। रोजा इंसान को सब्र, आत्मसंयम और हमदर्दी की तालीम देता है। भूख-प्यास का एहसास गरीबों के दर्द को समझने में मदद करता है, जिससे समाज में सेवा और सहयोग की भावना मजबूत होती है। रमजान की रातों में अदा की जाने बाली तरावीह की नमाज खास अहमियत रखती है। मस्जिदों में पाक कुरआन की तिलावत के साथ तरावीह अदा की जाती है, जिससे ईमान में मजबूती और दिलों को सुकून मिलता है।

मस्जिदों में व्यवस्थाएं

रमजान के मद्देनजर शहर की मस्जिदों में साफ-सफाई, रोशनी, बुजू के पानी, पंखों और नमाजियों की सुविधा के लिए विशेष इंतजामात किए जा रहे हैं। शहर क़ाज़ी ने समुदाय के लोगों से अपील की है कि वे इस मुबारक महीने में ज्यादा से ज्यादा इबादत करें, जरूरतमंदों की मदद करें, जकात व सदका अदा करें और शहर में अमन-ओ-अमान कायम रखने में प्रशासन का पूरा सहयोग करें।

नेचुरोपैथी में बनाएं अपना कॅरियर

एक नेचुरोपैथ यानी प्राकृतिक चिकित्सक का वेतन काफी हद तक उसकी लोकेशन, विशेषज्ञता, योग्यता और अनुभव पर निर्भर करता है। वैसे शुरूआती तौर पर एक नेचुरोपैथ दस हजार से बीस हजार रूपए आसानी से कमा सकता है। एक बार अनुभव प्राप्त करने के बाद आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है।

आज के समय में लोगों का लाइफस्टाइल जिस तरह का है, उसके कारण हर व्यक्ति किसी न किसी समस्या से ग्रस्त रहता ही है। लेकिन हर समस्या के लिए दवाइयों का इस्तेमाल करना उचित नहीं माना जाता। अगर आप भी लोगों का इलाज प्राकृतिक तरीके से करने में विश्वास रखते हैं तो नेचुरोपैथी में अपना भविष्य बना सकते हैं। यह एक ऐसी वैकल्पिक चिकित्सा है, जिसमें प्रकृति के पांच तत्वों की सहायता से व्यक्ति का इलाज किया जाता है। यह इलाज की एक बेहद पुरानी पद्धति है।

स्किल्स

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे व्यक्ति को सामान्य चिकित्सा व मानव शरीर रचना विज्ञान के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त एक सफल नेचुरोपैथ बनने के लिए आपके भीतर धैर्य, कम्युनिकेशन और लिसनिंग स्किल्स, आत्मविश्वास, मरीज की जरूरतों को समझना, मोटिवेशनल्स स्किल्स व रोगियों के भीतर विश्वास पैदा करने का भी कौशल होना चाहिए।

क्या होता है काम

एक नेचुरोपैथ का मुख्य काम सिर्फ रोगी का इलाज करना ही नहीं होता, बल्कि वह अपने पेशेंट के खानपान और उसके लाइफस्टाइल में भी बदलाव करता है, ताकि व्यक्ति जल्द से जल्द ठीक हो सके। इतना ही नहीं, एक नेचुरोपैथ को मनोविज्ञान का भी ज्ञान होना चाहिए ताकि वह रोगी की स्थित कि समझकर उसे बेहतर उपचार दे सके।

योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों का भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीवविज्ञान में कम से कम 45 प्रतिशत अंक होने चाहिए। इसके बाद आप बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी और यौगिक साइंस कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त इसमें डिप्लोमा कोर्स भी अवेलेबल हैं।

संभावनाएं

एक नेचुरोपैथ वेलनेस सेंटर्स, न्यूटिशन सेंटर, हॉस्पिटल, हेल्थ केयर सेंटर आदि में जॉब तलाश सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप एकेडमिक्स, कम्युनिटी हेल्थ सर्विस केयर, सोशल वेलफेयर, मैन्युफैक्चरिंग और नेचुरल प्रॉडक्ट्स कंपनी आदि में भी काम कर सकते हैं। भारत में प्राकृतिक चिकित्सक सरकारी और निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में नियुक्त किए जाते हैं। वैसे लग्जरी होटल व हेल्थ रिसॉर्ट में भी नेचुरोपैथ सर्विसेज दी जाती हैं, वहां पर भी जॉब की जा सकती है। इसके अतिरिक्त आप विभिन्न अखबार, मैगजीन में लिख सकते हैं या फिर खुद का यूट्यूब चैनल चलाकर भी अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। एक अनुभवी प्राकृतिक चिकित्सक खुद का सेंटर भी खोल सकता है।

आमदनी

एक नेचुरोपैथ यानी प्राकृतिक चिकित्सक का वेतन काफी हद तक उसकी लोकेशन, विशेषज्ञता, योग्यता और अनुभव पर निर्भर करता है। वैसे शुरूआती तौर पर एक नेचुरोपैथ दस हजार से बीस हजार रूपए आसानी से कमा सकता है। एक बार अनुभव प्राप्त करने के बाद आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है।

प्रमुख संस्थान

- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ योगा एंड नेचुरोपैथी, नई दिल्ली।
- महर्षि पतंजलि इंस्टीटयूट फॉर योगा नेचुरोपैथी एजुकेशन एंड रिसर्च, गुजरात।
- बोर्ड ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगा सिस्टम ऑफ मेडिसिन, मेरठ।
- सीएमजे यूनिवर्सिटी, मेघालय।
- प्रज्ञान इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, रांची।
- एसडीएम कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगा सांइस, कर्नाटक।
- हिमालयन यूनिवर्सिटी, ईटानगर।
- महावीर कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योग, छत्तीसगढ़।

एक टैटू आर्टिस्ट का काम महज टैटू बनाना ही नहीं होता। वह सबसे पहले अपने क्लाइंट की जरूरत को समझता है और उसके अनुसार अपने क्लाइंट को कुछ बेहतरीन सुझाव देता है। अंत में वह टैटू बनाता है।

अगर आपको भी है टैटू बनाने का पैशन...

पिछले कुछ समय से टैटू बनवाने का क्रेज युवाओं में काफी बढ़ गया है। वैसे तो टैटू पुराने समय से बनाए जाते रहे हैं लेकिन कुछ सालों से इसके स्वरूप में काफी परिवर्तन आया है। वर्तमान समय में सिर्फ आम लोग ही नहीं, बड़े-बड़े स्टार्स भी बॉडी पर टैटू बनवाते हैं, फिर चाहे बात दीपिका पादुकोण की हो या प्रियंका चोपड़ा की, हर कोई टैटू बनवा चुकी है। आज के समय में बहुत से ऐसे युवा हैं जो न सिर्फ टैटू बनवाने का क्रेज रखते हैं, बल्कि वह टैटू बनाना भी सीखना चाहते हैं। अगर आपको भी टैटू बनाने का पैशन है तो आप इस क्षेत्र में करियर की संभावनाएं देख सकते हैं-

क्या होता है काम

एक टैटू आर्टिस्ट का काम महज टैटू बनाना ही नहीं होता। वह सबसे पहले अपने क्लाइंट की जरूरत को समझता है और उसके अनुसार अपने क्लाइंट को कुछ बेहतरीन सुझाव देता है। अंत में वह टैटू बनाता है। इसके अलावा टैटू बनाने के बाद शुरूआत में स्किन की सही तरह से केयर करनी भी जरूरी होती है, इसलिए एक टैटू मेकर का काम है कि वह अपने क्लाइंट को स्किन केयर के बारे में भी सारी जानकारी दे ताकि उन्हें बाद में किसी तरह की परेशानी न उठानी पड़े।

स्किल्स

इस क्षेत्र की सबसे बड़ी जरूरत है आपका क्रिएटिव माइंड। आज के समय में पहले की तरह सिंपल टैटू नहीं बनाए जाते। इसलिए एक टैटू मेकर क्लाइंट की जरूरत को समझकर और अपनी क्रिएटिविटी का प्रयोग करके शरीर के विभिन्न हिस्सों पर अलग-अलग कलर कॉम्बीनेशन और केमिकल्स के जरिए बेहतरीन आकृति को उकेरता है। इतना ही नहीं, इस क्षेत्र में आपकी सफलता आपका पैशन तय करता है। अगर आप इस काम से दिल से प्यार करते हैं, तभी आपको इस क्षेत्र में कदम रखना चाहिए। इसके अतिरिक्त एक टैटू मेकर को हमेशा अपडेट रहना चाहिए। उसे लेटेस्ट ट्रेंड की जानकारी होनी चाहिए। एक टैटू बनाना देखने में भले ही आसान लगे लेकिन यह एक कठिन काम है। इसमें आपको बेहद पेशेंस और एकाग्रता की जरूरत होती है। कई बार लोगों को टैटू से त्वचा में संक्रमण भी फैल जाता है। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि आप इससे भी अच्छी तरह वाकिफ हों और हर तरह की सावधानी बरतते हुए ही अपना काम करें।

योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर की संभावनाएं देख रहे छात्रों के लिए कोई मिनिमम योग्यता निर्धारित नहीं है। लेकिन टैटू बनाने में आजकल मशीनों का प्रयोग किया जाता है, इसके लिए आप किसी टैटू स्टूडियो या संस्थान से शॉर्ट टर्म कोर्स के जरिए टैटू मेकिंग सीख सकते हैं। यह कोर्स एक से दो महीने का होता है।

संभावनाएं

एक टैटू मेकर के लिए काम की कोई कमी नहीं है। टैटू मेकिंग का काम सीखने के बाद आप घर से ही काम की शुरूआत कर सकते हैं। अगर आप बजट अच्छा है तो अलग से टैटू मेकिंग स्टूडियो भी खोला जा सकता है। अगर आप क्लाइंट के घर जाकर काम कर सकते हैं तो ऑनलाइन काम को प्रमोट करना अच्छा रहेगा। इससे आपको कम समय में ही अच्छा काम मिलने लगेगा। इसके अतिरिक्त बड़े-बड़े मॉल्स में भी टैटू मेकिंग का काम शुरू किया जा सकता है।

आमदनी

इस क्षेत्र में कमाई अनुभव और आपके काम के अनुसार बढ़ती है। वैसे कोर्स करने के बाद शुरूआती दौर में एक टैटू मेकर प्रतिमाह 15 से 20 हजार रुपए आसानी से कमा सकता है। लेकिन कुछ सालों के अनुभव के बाद जब आप अपना नाम स्थापित कर लेते हैं तो आपकी आमदनी लाखों में भी हो सकती है।

कम्युनिकेशन डिजाइनिंग से दें कॅरियर को एक नई उड़ान

कम्युनिकेशन डिजाइन से संबंधित इस कोर्स की अवधि चार वर्ष है। इस कोर्स के दौरान छात्रों में ऐसी समझ का विकास किया जाता है, जिससे खुले और निर्मित स्थानों में संचार के लिए सही परिवेश की स्थापना हो सके। इसके साथ ही ऐसे अनुभवों का निर्माण हो सके जिनके समर्थन से दर्शकों के समक्ष विचारों की व्याख्या हो सके। देश के प्रतिष्ठित संस्थान राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान डिजाइनिंग संबंधी कई कोर्स संचालित करता है। इन कोर्सेस में दाखिला लेकर छात्र न सिर्फ अपने सपनों को उड़ान दे सकते हैं, बल्कि सफलता की नई कहानी भी लिख सकते हैं। आज हम आपको राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान में संचालित विभिन्न कोर्स की जानकारी दे रहे हैं

बैचलर ऑफ डिजाइन बी.डेस

यह चार वर्षीय पाठ्यक्रम है जो आठ विषयों में उपलब्ध है। 12वीं स्तर के 20 वर्षीय विद्यार्थी इन कोर्सेस में दाखिला ले सकते हैं।

एनीमेशन फिल्म डिजाइन

कम्युनिकेशन डिजाइन से संबंधित इस कोर्स की अवधि करीबन चार वर्ष की होती है और इसमें महज 15 सीटें ही एनआईडी में उपलब्ध होती हैं। इस कोर्स को करने के बाद छात्र विभिन्न टीवी चैनल में एनिमेटर, करैक्टर डिजाइनर, स्टोरी बोर्ड आर्टिस्ट, क्रिएटिव डायरेक्टर, प्रोड्यूसर, कंसलटेंट आदि के रूप में काम कर सकते हैं या फिर खुद का बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं।

सिरामिक एवं ग्लास डिजाइन

सिरामिक एवं ग्लास डिजाइन कला और रचनात्मकता के क्षेत्रों में शिल्प, वास्तु, चिकित्सा, सत्कार, सज्जा उत्पादों आदि शैलियों में कार्यात्मक सम्भावनायें भी प्रदान करता है। एनआईडी का यह विभाग भारतीय कला और शिल्प से प्रेरणा लेता है और छात्रों को भविष्य में बड़े पैमाने पर उत्पादन और नयी तकनीकों की क्षमता को समझने में मदद करता है। इस कोर्स को करने के बाद छात्र एनज़ीओ, डिजाइन स्टूडियो, शिल्प उद्योग में भी रोजगार के अवसर ढूंढ सकते हैं या खुद का बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं।

एक्सबिशन डिजाइन

कम्युनिकेशन डिजाइन से संबंधित इस कोर्स की अवधि चार वर्ष है। इस कोर्स के दौरान छात्रों में ऐसी समझ का विकास किया जाता है, जिससे खुले और निर्मित स्थानों में संचार के लिए सही परिवेश की स्थापना हो सके। इसके साथ ही ऐसे अनुभवों का निर्माण हो सके जिनके समर्थन से दर्शकों के समक्ष विचारों की व्याख्या हो सके।

फिल्म व वीडियो कम्युनिकेशन

फिल्म व वीडियो कम्युनिकेशन कोर्स के तहत छात्रों को छोटी एजुकेशनल, कल्चरल, सोशल, एंटरटेनिंग व मार्केट कम्युनिकेशन संबंधी शार्ट फिल्में बनाने करने के लिए तैयार किया जाता है। इस कोर्स को करने के बाद छात्र ऑडियो-विजुअल कम्युनिकेशन के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। ऐसे छात्रों के लिए एड एजेंसी, फिल्म प्रॉडक्शन हाउस, टीवी चैनल्स व अन्य कई सरकारी क्षेत्रों व एनजीओ के रास्ते हमेशा खुले रहते हैं।

फर्नीचर डिजाइन

फर्नीचर डिजाइन भी वास्तव में एक कला है और इस कला की पूरी जानकारी एनआईडी के चार वर्षीय फर्नीचर डिजाइन कोर्स से प्राप्त होती है। कोर्स में विभिन्न प्रकार के मैटीरियल, उनके इस्तेमाल और क्रिएटिविटी का इस्तेमाल करके कुछ नया बनाने के लिए प्रेरित किया जाता है।

ग्राफिक डिजाइन

पिछले कुछ समय से ग्राफिक डिजाइनर की मांग काफी बढ़ी है। ऑनलाइन से लेकर ऑफलाइन तक लोग ग्राफिक्स का सहारा लेने लगे हैं। इसके जरिए चीजों को आसानी से समझा जा सकता है और यही कारण है कि यह कोर्स छात्रों के बीच खासा पसंद किया जाता है।

जीडीजीपी (ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रोग्राम इन डिजाइन)

4 वर्ष का यह कोर्स विजयवाड़ा और कुरुक्षेत्र में उपलब्ध है। इसमें छात्रों का 12वीं पास होना आवश्यक है और उम्मीदवार की आयु 20 से अधिक न होनी चाहिए।

प्रॉडक्ट डिजाइन

प्रॉडक्ट डिजाइन उन वस्तुओं की रचना करना है, जो लोगों के लिए फायदेमंद है। वस्तुएं बड़ी व्यवस्था का मुख्य अंश होती है। कोर्स के दौरान प्रोजेक्ट्स का मुख्य केंद्र उपयोगकर्ताओं की जरूरत, उत्पाद और आर्थिक प्रभाव के लिए प्रोडक्ट्स और सर्विसेज पर रहता है।

टेक्सटाइल डिजाइन

टेक्सटाइल डिजाइन के कोर्स के तहत छात्रों के भीतर कपड़ा अथवा टेक्सटाइल की समझ का ज्ञान विकसित किया जाता है। इस कोर्स की अवधि चार वर्ष है।

स्नातकोत्तर डिजाइन (एम.डेस)

किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री प्राप्त छात्र इस कोर्स में दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। 25 वर्ष की अवधि का यह कोर्स अहमदाबाद, बेंगलुरु और गांधीनगर कैंपसों में उपलब्ध है। इन कोर्सेस में दाखिला लेने वाले आवेदक की आयु 30 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। यह कोर्स लगभग 19 विषयों में उपलब्ध है, जो इस प्रकार है-

- ऐनीमेशन फिल्म डिजाइन
- अपैरल डिजाइन
- सिरामिक व ग्लास डिजाइन
- डिजाइन फॉर रिटेल एक्सपीरियंस
- डिजिटल गेम डिजाइन
- फिल्म व वीडियो कम्यूनिकेशन डिजाइन
- फर्निचर डिजाइन
- ग्राफिक डिजाइन
- इन्फोरमेशन डिजाइन
- इंटरैक्शन डिजाइन
- लाइफस्टाइल ऐक्सेसरी डिजाइन
- न्यू मीडिया डिजाइन
- फोटोग्राफी डिजाइन
- प्रोडक्ट डिजाइन
- स्ट्रैटिजिक डिजाइन प्रबंधन
- टेक्सटाइल डिजाइन
- टॉय ऐंड गेम डिजाइन
- ट्रांसपोर्टेशन व ऑटोमोबाइल डिजाइन
- यूनिवर्सल डिजाइन

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com